संयम ◆ संस्कार ◆ संतुलन

R.N.I. No.-UPHIN/2004/22466

शहर समता

वर्ष-21 अंक- 154
पृष्ठ 8
शुक्रवार
21 फरवरी 2025
प्रात: संस्करण
हिन्दी दैनिक
प्रयागराज
मूल्य- 1.00

प्रयागराज से प्रकाशित   Email : shaharsamta@gmail.com   Website : https://Shaharsamta.com   सम्पादक-उमेश चन्द्र श्रीवास्तव

विविध- क्या डार्क चाकलेट खाने से...
विचार- मुख्य निर्वाचन आयुक्त की जल्दबाजी...
खेल- जीत की हैट्रिक लगाने के इरादे से...

योगी सरकार ने पेश किया 8 लाख 8 हजार 736 करोड़ का बजट, छात्राओं को फ्री में मिलेगी स्कूटी

लखनऊ, संवाददाता। उत्तर प्रदेश के वित्त मंत्री सुरेश कुमार खन्ना ने राज्य विधानसभा में वित्त वर्ष 2025–26 के लिए बजट पेश किया। उन्होंने कहा कि वित्त वर्ष 2025–26 के लिए राज्य के बजट का आकार 8,08,736 लाख रुपये, जो पिछले बजट से 9.8 प्रतिशत अधिक है। उन्होंने बताया कि राज्य के वित्त वर्ष 2025–26 बजट में 22 प्रतिशत राशि अवस्थापना विकास के लिए, शिक्षा के लिए 13 प्रतिशत, कृषि व संबद्ध सेवाओं के लिए 11 प्रतिशत, चिकित्सकीय एवं स्वास्थ्य के क्षेत्र के लिए छह प्रतिशत, सामाजिक सुरक्षा कार्यक्रमों के लिए चार प्रतिशत राशि आवंटित की गई। यूपी के वित्त मंत्री सुरेश खन्ना ने रानी लक्ष्मीबाई स्कूटी योजना के तहत कॉलेज जाने वाली मेधावी छात्राओं को स्कूटी उपलब्ध कराने के लिए 400 करोड़ रुपये के प्रावधान की घोषणा की। बजट में सरकार का मुख्य फोकस रिसर्च एंड डेवलपमेंट के साथ–साथ आईटी पर भी है। कन्या विवाह सहायता योजना के तहत पंजीकृत श्रमिकों की दो पुत्रियों को अंतर्जातीय विवाह करने पर 55,000 रुपये तथा अंतर्जातीय विवाह करने पर 61,000 रुपये देने का प्रावधान है। वित्त मंत्री ने अपने बजट भाषण में कहा कि स्वामी विवेकानंद युवा सशक्तिकरण योजना के तहत 49.86 लाख स्मार्टफोन/टैबलेट दिए गए हैं। मुख्यमंत्री युवा स्वरोजगार योजना हेतु 225 करोड़ रुपये का प्रावधान प्रस्तावित है। पीएम मित्र योजना के तहत टेक्सटाइल पार्क की स्थापना से संबंधित खर्च के लिए 300 करोड़ रुपये का प्रावधान प्रस्तावित है। वित्त मंत्री ने अपने संबोधन की शुरुआत मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ के नेतृत्व में राज्य में हुए विकास का उल्लेख करते हुए की। उन्होंने महाकुंभ का जिक्र करते हुए इसे न केवल एक सांस्कृतिक तथा धार्मिक आयोजन बताया, बल्कि इसे भारत की प्राचीन आस्था व सांस्कृतिक अखंडता का प्रतीक करार दिया। खन्ना ने कहा कि वित्त वर्ष 2025–26 के लिए कुल बजट परिव्यय वित्त वर्ष 2025 के बजट परिव्यय से 9.8 प्रतिशत अधिक है। वित्त वर्ष 2024–25 के लिए राज्य के बजट का आकार 7,36,437 करोड़ रुपये था जिसमें 24,863.57 करोड़ रुपये की नई योजनाएं शामिल थीं। वित्त मंत्री ने 'आर्टिफिशियल इन्टेलिजेन्स सिटी' के निर्माण और 'टेक्नोलॉजी रिसर्च ट्रान्सलेशन पार्क' की स्थापना की नई योजनाओं की भी घोषणा की। राज्य के बजट में विधानसभा के आधुनिकीकरण के साथ–साथ विद्यालयों तथा 'पॉलिटेक्निक' में स्मार्ट कक्षाओं और प्रयोगशालाओं के विकास का भी प्रावधान है। खन्ना ने बताया कि प्रदेश के 58 नगर निकायों को आदर्श स्मार्ट नगर निकाय के रूप में विकसित करने का काम जारी है। इसके लिए एक नगर निकाय के लिए 2.50 करोड़ रुपये यानी कुल 145 करोड़ रुपये का प्रावधान प्रस्तावित किया गया। उन्होंने कहा कि उत्तर प्रदेश भवन एवं अन्य सन्निर्माण कर्मकार कल्याण बोर्ड द्वारा प्रदेश के जिला मुख्यालयों में कामगारों/श्रमिकों के लिए शिविर बनाने की योजना पर काम किया जाएगा, जिसमें कैंटीन, पेयजल, स्नानघर व शौचालय की सुविधा उपलब्ध कराई जाएगी।

मुख्यमंत्री रेखा गुप्ता ने संभाला कार्यभार, कहा–

हम दिल्ली से किए गए एक-एक वादे को करेंगे पूरा

नयी दिल्ली, एजेंसी। दिल्ली की मुख्यमंत्री रेखा गुप्ता ने गुरुवार को ऐतिहासिक रामलीला मैदान में शपथ ग्रहण लेने के बाद अपराह्न दिल्ली सचिवालय में औपचारिक रूप से अपना कार्यभार संभाला। वह शाम को मंत्रिमंडल की पहली बैठक की अध्यक्षता करेंगी। श्रीमती गुप्ता आज अपराह्न तीन बजे औपचारिक रूप से कार्यभार संभालने के लिए दिल्ली सचिवालय पहुंची। इसके बाद में उनका शाम पांच बजे यमुना बाज़ार स्थित वासुदेव घाट में कार्यक्रम है। नये मंत्रिमंडल की पहली बैठक आज ही शाम सात बजे दिल्ली सचिवालय में बुलायी गयी है। उल्लेखनीय है कि दिल्ली में 27 साल के बाद भारतीय जनता पार्टी सत्ता में आयी है। राजधानी के ऐतिहासिक रामलीला मैदान में आज आयोजित भव्य समारोह में प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी और राष्ट्रीय जनतांत्रिक गठबंधन (राजग) के घटक दलों के शीर्ष नेताओं की

उपस्थिति में उपराज्यपाल वी. के. सक्सेना ने श्रीमती गुप्ता और उनके सहयोगी मंत्रियों को पद एवं गोपनीयता की शपथ दिलायी। श्रीमती गुप्ता शालीमार बाग से भाजपा की विधायक चुनी गयी हैं। रेखा गुप्ता मंत्रिमंडल में सात मंत्रियों सर्वश्री प्रवेश साहिब सिंह, आशीष सूद, मनजिंदर सिंह सिरसा, रविंद्र इंद्राज सिंह, कपिल मिश्रा और पंकज कुमार सिंह को शामिल किया गया है।

विश्वास है, रेखा गुप्ता दिल्ली के विकास के लिए पूरी ताकत से काम करेंगी : मोदी

नयी दिल्ली। प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी ने विश्वास जताया है कि दिल्ली की नयी मुख्यमंत्री रेखा गुप्ता अपने विस्तृत अनुभव के साथ केंद्र शासित प्रदेश के विकास के लिए पूरी शक्ति से काम करेंगी। श्री मोदी ने श्रीमती गुप्ता (50) को मुख्यमंत्री बनने की बधाई दी है। प्रधानमंत्री ने गुरुवार को सोशल मीडिया मंच 'एक्स' पर लिखा, "श्रीमती रेखा गुप्ता जी को दिल्ली की मुख्यमंत्री के रूप में शपथ लेने पर बधाई। वह जमीनी स्तर से उठकर आई हैं, कैंपस राजनीति, राज्य संगठन, नगर निगम प्रशासन में सक्रिय रहीं और अब विधायक के साथ–साथ मुख्यमंत्री भी हैं।

बेरोजगारी और महंगाई देश में बड़ा मुद्दाः राहुल गांधी

नई दिल्ली, एजेंसी। लोकसभा में एलओपी और कांग्रेस सांसद राहुल गांधी आज अपने संसदीय क्षेत्र रायबरेली के दौरे पर हैं। अपने संबोधन में उन्होंने कहा कि देश के सामने दो बड़े मुद्दे हैं। पहला है बेरोजगारी... दूसरा मुद्दा है महंगाई। हमें ऐसा भारत नहीं चाहिए जहां किसान के बेटे को कड़ी मेहनत करने और प्राइवेट यूनिवर्सिटी में लाखों रुपये देने के बाद भी रोजगार न मिल सके। उन्होंने कहा कि पीएम नरेंद्र मोदी ने नोटबंदी और जीएसटी लागू करके छोटे व्यापारियों को बर्बाद कर दिया है।

भाजपा सरकार दिल्ली को दुनिया की सर्वश्रेष्ठ राजधानी बनाएगी : शाह

नई दिल्ली, एजेंसी। केंद्रीय गृह मंत्री अमित शाह ने दिल्ली के मुख्यमंत्री के रूप में शपथ लेने पर रेखा गुप्ता को बधाई दी और कहा कि भारतीय जनता पार्टी (भाजपा) की सरकार राष्ट्रीय राजधानी को स्वच्छ, सुंदर और संपन्न बनाकर दुनिया की सर्वश्रेष्ठ राजधानी बनाएगी। दिल्ली विश्वविद्यालय छात्र संघ (डूसू) की पूर्व अध्यक्ष और पहली बार विधायक निर्वाचित हुईं रेखा गुप्ता दिल्ली की नौवीं मुख्यमंत्री बन गईं। राष्ट्रीय राजधानी के ऐतिहासिक रामलीला मैदान में आयोजित एक भव्य समारोह में दिल्ली के उपराज्यपाल विनय कुमार सक्सेना ने उन्हें पद एवं गोपनीयता की शपथ दिलाई। शाह ने 'एक्स' पर एक पोस्ट में आम आदमी पार्टी पर निशाना साधते हुए कहा कि दिल्ली की जनता ने 'धोखे और वादाखिलाफी के राज' को समाप्त कर सेवा और समर्पण की पर्याय भाजपा को चुना है। उन्होंने कहा, "आज नवगठित भाजपा सरकार में मुख्यमंत्री पद की शपथ लेने पर रेखा गुप्ता तथा अन्य सभी मंत्रियों को हार्दिक शुभकामनाएं देता हूं।" उन्होंने कहा, "प्रधानमंत्री मोदी ने दिल्ली के वंचितों, महिलाओं, युवाओं और गरीबों के कल्याण के लिए विकसित दिल्ली का जो विजन बनाया है, वह आप सभी के कुशल नेतृत्व में निश्चित साकार होगा।

राष्ट्रीय सुरक्षा और संप्रभुता को खतरे में डाल रही सरकार : खरगे

नई दिल्ली, एजेंसी। कांग्रेस अध्यक्ष मल्लिकार्जुन खरगे ने बृहस्पतिवार को आरोप लगाया कि सरकार भारत की राष्ट्रीय सुरक्षा, संप्रभुता और अखंडता को खतरे में डाल रही है। उन्होंने अरुणाचल प्रदेश से लगी सीमा के उस तरफ चीन की ओर से नये गांव बसाए जाने के दावे वाली खबर को लेकर सरकार पर निशाना साधा। खरगे ने 'एक्स' पर पोस्ट किया, "नरेन्द्र मोदी जी, आप चीन के लिए 'लाल आंख' के बजाय 'लाल सलाम' की नीति अपना रहे हैं। भारत की राष्ट्रीय सुरक्षा, भौगोलिक संप्रभुता और अखंडता सर्वोपरि है, मोदी सरकार इसे खतरे में डाल रही है।"

अभिनेत्री अद्रिजा रॉय ने किया संगम स्नान

महाकुम्भ नगर। कई हिंदी और बांगला फिल्मों में काम कर चुकीं अद्रिजा रॉय ने महाकुम्भ में संगम स्नान किया। अद्रिजा ने संगम स्नान की फोटो अपने इंस्टाग्राम एकाउंट पर शेयर की है। अद्रिजा ने हिंदी धारावाहिक इमली, अनुपमा धारावाहिकों में काम किया है। अनुपमा में अनुपमा की भूमिका निभाने वाली रुपाली गांगुली अपने पति और बेटे के साथ संगम स्नान कर चुकी हैं। कच्चा बादाम के गाने से घर–घर अपनी पहचान बनाने वाली अंजली अरोरा ने महाकुम्भ में संगम स्नान किया। अंजली मंगलवार को अपने मित्र के साथ महाकुम्भ आईं। संगम स्नान के बाद अंजली ने महाकुम्भ को देखा।

250 सफाई मित्रों को किया सम्मानित

प्रयागराज। नगर निगम ने बुधवार को 250 सफाई मित्रों को सम्मानित किया। रामकृष्ण मिशन सेवा आश्रम के सहयोग से वेणी माधव धर्मशाला बाई का बाग में आयोजित कार्यक्रम में सफाईकर्मियों को जैकेट और कंबल दिया गया। महाकुम्भ में शहर को स्वच्छ और सुंदर बनाने वाले सफाई मित्रों को जोनल अधिकारी संजय

ममगाई ने प्रशस्ति पत्र, स्मृति चिह्न और उपहार प्रदान कर सफाईकर्मियों का उत्साहवर्धन किया। मुख्य अतिथि रामकृष्ण मठ से रामकृपाल मिश्र ने कहा कि सफाई मित्रों की सतत मेहनत और लगन के कारण ही महाकुंभ क्षेत्र में स्वच्छता व्यवस्था सुचारु रही और देश–विदेश से आए श्रद्धालुओं को स्वच्छ वातावरण प्राप्त हुआ। नगर निगम की ओर से सफाई मित्रों के हित में कल्याणकारी योजनाओं की भी घोषणा की गई। सफाई मित्रों ने भविष्य में भी इसी तरह कार्य करने का संकल्प लिया। कार्यक्रम में निर्मल अखाड़ा के सचिव देवेंद्र शास्त्री, सीआईएसफ गोविंद वाजपेई, सफाई निरीक्षक पूजा सिंह, अर्चना विश्वकर्मा और सभी सफाई नायक और आईईसी टीम श्रृष्टि वेस्ट मैनेजमेंट सर्विस के सदस्य मौजूद रहे।

मल्टी स्पेशियलिटी हॉस्पिटल के निर्माण में मदद करेंगे विशेषज्ञ

प्रयागराज। विशेषज्ञ नैनी में प्रस्तावित मल्टी स्पेशियलिटी हॉस्पिटल के निर्माण और इसके संचालन की योजना तैयार करेंगे। नगर निगम ने एक कंसल्टेंट (सलाहकार) को यह जिम्मेदारी सौंपी है। कंसल्टेंट अत्याधुनिक अस्पताल निर्माण के साथ इसके संचालन की रूपरेखा तैयार करेगा। नगर निगम की ओर से निकाले जाने वाले बांड की राशि से हॉस्पिटल का निर्माण होगा। 22 जनवरी को प्रदेश सरकार के मंत्रिमंडल समूह की बैठक में प्रयागराज, वाराणसी नगर निगमों को बांड जारी करने की स्वीकृति दी थी। इसके बाद नगर निगम ने हॉस्पिटल के निर्माण की प्रक्रिया तेज कर दी। कैबिनेट की बैठक के बाद ही तय हो गया था कि अस्पताल का संचालन ट्रिपल पी (पब्लिक प्राइवेट पार्टनरशिप) के तहत होगा। नगर आयुक्त चंद्र मोहन गर्ग ने बताया कि अस्पताल का भवन नगर निगम बनाएगा। इसके ट्रिपल पी मॉडल पर संचालन का मसौदा कंसल्टेंट से तैयार कराया जा रहा है। 200 बेड के हॉस्पिटल के निर्माण पर 76.54 करोड़ रुपये खर्च होने का अनुमान है। अस्पताल में गरीबों के इलाज की भी व्यवस्था होगी। दावा किया जा रहा है कि इस हॉस्पिटल के शुरू होने के बाद गंभीर बीमारियों के लिए लोगों को बड़े शहरों में नहीं जाना होगा।

फिल्म स्त्री के 'जना ने की महाकुम्भ में शूटिंग

महाकुम्भ नगर। फिल्म स्त्री में जना का दमदार किरदार निभाने वाले अभिषेक बनर्जी ने महाकुम्भ में फिल्म की शूटिंग की। अनाम फिल्म की शूटिंग के लिए महाकुम्भ में आए अभिषेक क्रू मेंबर के साथ देखे गए। फोटो सोशल मीडिया पर वायरल हो रही है। अभिनेता अभिषेक बनर्जी के साथ अभनेत्री सहाना गोस्वामी को भी महाकुम्भ में देखा गया। चर्चा है कि दोनों एक ही फिल्म की शूटिंग के लिए महाकुम्भ में आए। शूटिंग के दौरान आसपास काफी भीड़ दिखाई पड़ रही है। वायरल फोटो देखने के बाद लोगों का कहना है कि भीड़ वाले स्थान पर शूट चाहिए था, इसलिए महाकुम्भ को चुना गया।

क्वांटम यांत्रिकी से रूबरू हुए भावी टेक्नोक्रेट्स

प्रयागराज। ट्रिपलआईटी में क्वांटम सूचना एवं प्रौद्योगिकी पर विचार–विमर्श सत्र का आयोजन किया गया। इस सत्र में आईआईटी तिरुपति और आईआईएसईआर तिरुपति से जुड़े प्रो. पी सी देशमुख, इंडस्ट्री क्यू–न्यू लैब्स के डॉ. शशांक गुप्ता, ट्रिपलआईटी के प्रो. शेखर वर्मा, डॉ. प्रमोद कुमार, डॉ. अखिलेश तिवारी, डॉ. के पी सिंह और डॉ. उपेंद्र कुमार चर्चा में शामिल हुए। प्रो. देशमुख ने यांत्रिकी के मूलभूत प्रश्नों से परिचित कराया तथा प्राचीन भारतीय विचार प्रणालियों – जैसे न्याय–वैशेषिक दर्शन और वेदांग–ज्योतिष – और क्वांटम कारणता और नियतिवाद के आधुनिक सिद्धांतों के बीच समानताएं बताईं।

पिछले साल से कम हो गए पीसीएस 2025 में पद

प्रयागराज। उत्तर प्रदेश सम्मिलित राज्य प्रवर अधीनस्थ सेवा (पीसीएस) 2025 का संक्षिप्त नोटिफिकेशन जारी कर दिया गया है। गुरुवार की शाम तक विस्तृत विज्ञापन जारी कर आवेदन शुरू हो जाएगा।

वीआईपी प्रोटोकॉल 500, घाट से संगम पहुंच रहे 2500 श्रद्धालु, दो–दो घंटे करना पड़ रहा इंतजार

प्रयागराज। महाकुंभ में प्रतिदिन 500 से अधिक वीआईपी प्रोटोकॉल जारी हो रहा है। जबकि, 2500 से अधिक लोग सिफारिश पर वीआईपी घाट पर स्नान करने के पहुंच रहे हैं। वीआईपी एवं अन्य के लिए बीस मेला प्राधिकरण और जल पुलिस और 30 किराये पर नाव लगाई गई है।

महाकुंभ में प्रतिदिन 500 से अधिक वीआईपी प्रोटोकॉल जारी हो रहा है। जबकि, 2500 से अधिक लोग सिफारिश पर वीआईपी घाट पर स्नान करने के पहुंच रहे हैं। वीआईपी एवं अन्य के लिए बीस मेला प्राधिकरण और जल पुलिस और 30 किराये पर नाव लगाई गई है। इसमें जिनकी सिफारिश तगड़ी है, उन्हें तुरंत नाव की सवारी मिल जाती और जिनकी नहीं है उन्हें ज्यादा समय तक प्रतीक्षा करनी पड़ती है। वीआईपी घाट पर कुछ ऐसे लोग सक्रिय हैं जो लोगों से हजार से लेकर दो हजार की वसूली कर सेटिंग से पुलिस बैरियर पार करा देते हैं।

वीआईपी के साथ गनर एवं सुरक्षाकर्मियों के संगम तक जाने का नियम नहीं है। जल पुलिस एवं मेला के अधिकारी बार–बार माइक से कहते भी हैं कि गनर एवं सुरक्षाकर्मी वीआईपी के साथ संगम तक न जाएं, नाव से उतरें, लेकिन कोई सुनने वाला नहीं है। उन्हें वीआईपी मोबाइल देकर फोटो और वीडियो बनवा रहे हैं।

केस एकः तिरुपति से आईएएस श्यामल राव 14 लोगों के साथ स्नान करने वीआईपी घाट आए, उनका प्रोटोकॉल भी जारी किया गया था। एक घंटे तक उन्हें नाव के इंतजार में प्रतीक्षा करनी पड़ी। इस दौरान उनके पास कई दलाल आए जो पैसे देने पर नाव उपलब्ध कराने का दावा किए। लेकिन उन्होंने मना कर दिया।

केस दोः ओडिशा से आए श्रद्धालु महेश का कोई प्रोटोकॉल नहीं था। वह नाव से संगम पर जाकर स्नान करना चाहते थे। थोड़ी देर में एक दलाल से उनकी मुलाकात हो गई, उसने दस मिनट में ही एक हजार लेकर उन्हें नाव में बैठा दिया।

केस तीनः इंदौर से आए चेतन शर्मा ने बताया कि उनके साथ पांच लोग थे। संगम स्नान के लिए प्रति व्यक्ति एक हजार रुपये दिए तो बोट से जाने का इंतजाम हो गया। उन्होंने बताया कि सेटिंग करने के लिए गेट पर कुछ लोग घूम रहे होते हैं।

अगर कहीं कोई वसूली कर रहा है तो गलत है, ऐसे लोगों के खिलाफ सख्त कार्रवाई की जाएगी। – विजय किरण आनंद, मेलाधिकारी

खुद को पति–पत्नी बताकर लिया था कमरा, संगम स्नान के लिए प्रयागराज आने की कही थी बात

प्रयागराज। आजाद नगर में संजय बिंद का लॉज है। यहां उनकी मां धारा देवी व किरायेदार रहते हैं। संजय ने बताया कि बुधवार रात 8रू30 बजे के करीब उसका जानने वाले पूड़ी–सब्जी विक्रेता सुरेंद्र एक युवक–युवती को लॉज पर लेकर आया। फोन पर उसने बताया कि दोनों खुद को पति–पत्नी बता रहे हैं।

झूंसी में मौत के घाट उतारी गई युवती व उसके साथ आए युवक ने खुद को पति–पत्नी बताया था। उन्हें लॉज में लेकर आने वाले पूड़ी–सब्जी के दुकानदार ने यह बात बताई। उसके मुताबिक दोनों ने कहा था कि वह संगम स्नान के लिए आए हैं और उन्हें सुबह घाट पर जाना है। रातभर रुकने के लिए कमरा चाहिए। हालांकि, उनके पति–पत्नी होने का कोई प्रमाण नहीं मिला है।

आजाद नगर में संजय बिंद का लॉज है। यहां उनकी मां धारा देवी व किरायेदार रहते हैं। संजय ने बताया कि बुधवार रात 8रू30 बजे के करीब उसका जानने वाले पूड़ी–सब्जी विक्रेता सुरेंद्र एक युवक–युवती को लॉज पर लेकर आया। फोन पर उसने बताया कि दोनों खुद को पति–पत्नी बता रहे हैं। उन्हें भोर में संगम स्नान करना है। रात में रुकने के लिए उन्हें कमरा चाहिए।

बकौल संजय कुछ घंटों की

बात थी, ऐसे में उन्होंने 500 रुपये किराये पर एक कमरा दे दिया। लॉज में टॉयलेट व बाथरूम कॉमन है। सुबह 6रू30 बजे के करीब मोहन नाम का एक किरायेदार बाथरूम की ओर गया तो उसकी चीख निकल गई। वहां युवती खून से लथपथ मृत पड़ी थी।

शोरगुल पर आसपास के लोग व संजय खुद पहुंच गए। इसके बाद झूंसी पुलिस भी आ गई। पुलिस के मुताबिक मृतका के गले पर गहरा जख्म था। आशंका है कि धारदार हथियार से गला रेतकर उसकी हत्या की गई। पुलिस कई घंटे जांच में जुटी रही। लेकिन, मृतका की शिनाख्त नहीं हो पाई। कमरे में कोई सामान भी नहीं मिला।

पुलिस के मुताबिक मौका मुआयना के बाद जो तथ्य फिलहाल सामने आए हैं, उसके अनुसार साथ आया युवक ही शक के घेरे में है। मौके पर न ही कोई हथियार मिला और न ही मृतका की पहचान का कोई सामान हाथ लगा है। ऐसे में यह भी कहा जा रहा है कि पुख्ता प्लानिंग के तहत ही ऐसा किया गया। वारदात के बाद हथियार ही नहीं, बल्कि मृतका की पहचान से संबंधित सामान भी गायब कर दिया गया।

सूत्रों के मुताबिक जांच–पड़ताल में जुटी पुलिस को लॉज की ओर आने वाले रास्ते पर लगे एक कैमरे का फुटेज मिला है। इसमें मृतका व उसका साथी एक–दूसरे का हाथ पकड़कर लॉज की ओर आते नजर आए हैं। आते वक्त युवक के कंधे पर एक बैग भी था। हालांकि, कमरे की तलाशी के दौरान यह बैग भी नहीं मिला। उधर यह भी पता चला कि रात में युवक ने एक दुकान से पूड़ी–सब्जी भी पैक कराया था। दुकानदार ने खुद यह बात पुलिस को बताई।

लॉज में एक पुलिसकर्मी के अलावा दो परिवार किराये पर रहते हैं। पुलिस की पूछताछ में पता चला कि रात एक बजे के करीब पुलिसकर्मी खुद वापस आया था। तब तक सब कुछ ठीक था। ऐसे में माना जा रहा है कि एक बजे के बाद यह वारदात हुई। उधर, पहनावे से युवती निम्न मध्यमवर्गीय परिवार की लग रही थी। उसने जैकेट के अलवा मरून रंग का सलवार व स्पोर्ट्स शू पहन रखा था।

120 केंद्रों पर 72450 परीक्षार्थी देंगे यूपी बोर्ड की परीक्षाएं

–10 राजकीय विद्यालय, 73 अशासकीय सहायता प्राप्त विद्यालय तथा 37 वित्त विहीन विद्यालय शामिल –हाईस्कूल के 34972 तथा इंटरमीडिएट के 37478 परीक्षार्थी होंगे शामिल

मथुरा। यूपी बोर्ड परीक्षाओं की तैयारियों को अंतिम रूप दिया जा रहा है। इस बार जनपद में 120 केंद्रों पर 72450 परीक्षार्थी यूपी बोर्ड की परीक्षा देंगे। बीएसए इंजीनियरिंग कॉलेज के सभागार में जिलाधिकारी चन्द्र प्रकाश सिंह एवं वरिष्ठ पुलिस अधीक्षक शैलेश कुमार पाण्डेय ने हाईस्कूल एवं इंटरमीडिएट की परीक्षाओं को नकल विहीन, सूचितापूर्वक, सकुशल एवं शांतिपूर्ण संपन्न करने के लिए सेक्टर मजिस्ट्रेट, स्टैटिक मजिस्ट्रेट तथा केन्द्र व्यवस्थापकों के साथ बैठक की। जनपद के 10 राजकीय विद्यालय, 73 अशासकीय सहायता प्राप्त विद्यालय तथा 37 वित्तविहीन विद्यालय कुल 120 केंद्रों पर परीक्षा आयोजित होगी जिसमें हाईस्कूल के 34972 तथा इंटरमीडिएट के 37478 कुल 72450 छात्र छात्राएं परीक्षा में शामिल होंगे। जिलाधिकारी ने निर्देश दिए कि सभी केंद्र सीसीटीवी कैमरों को चेक करे, स्ट्रांग रूम की व्यवस्था को

सुनिश्चित करें तथा सभी स्टेटिक मजिस्ट्रेट व केंद्र व्यवस्थापक ससमय केंद्रों पर उपस्थित रहकर परीक्षा को सकुशल संपन्न कराए। उन्होंने बताया कि परीक्षाएं 24 फरवरी से प्रारंभ हो रही हैं। बोर्ड परीक्षाएं दो पालियों में आयोजित होंगी, जिसमें प्रातः 8.30 बजे से 11.45 बजे तक तथा सायं दो बजे से 5.15 बजे होंगी। एसएसपी शैलेश कुमार पाण्डेय ने कहा कि सभी केंद्रों पर पुलिस बल ससमय उपलब्ध होगा, कोई अन्य समस्या उत्पन्न होने पर आप डायल 112 पर सूचना दे सकते है। पुलिस आपकी मदद हेतु तत्काल पहुंचेगी। परीक्षा को सूचितापूर्वक संपन्न कराने हेतु पुलिस प्रशासन कटिबद्ध है। जिला विद्यालय निरीक्षक रविन्द्र सिंह ने बताया कि जनपद में 6 सचल दल निरंतर भ्रमण शील रहेंगे। वीडीपी राजकीय इंटर कॉलेज मथुरा में कंट्रोल रूम स्थापित किया गया है, जिससे सभी केंद्रों पर निगरानी रहेगी। बैठक में अपर जिलाधिकारी वित्त एवं राजस्व योगानंद पांडेय, जिला विद्यालय निरीक्षक रविन्द्र सिंह, जिला बेसिक शिक्षा अधिकारी सुनील दत्त, जिला सूचना अधिकारी प्रशांत कुमार सुथारी सहित केंद्र व्यवस्थापक, स्टेटिक व सेक्टर मजिस्ट्रेट उपस्थित रहे।

ये की गई हैं व्यवस्था

परीक्षाओं के लिए 5 जोनल मजिस्ट्रेट, 15 सेक्टर मजिस्ट्रेट, 120 स्टेटिक मजिस्ट्रेट, 120 केंद्र व्यवस्थापक, 120 वाहन केंद्र व्यवस्थापक तथा 4705 कक्ष निरीक्षक की ड्यूटी लगाई गई है। जनपद में प्रश्न पत्र प्राप्त हो गए हैं, जो कि सीसीटीवी कैमरे की निगरानी में वीडीपी राजकीय इंटर कॉलेज मथुरा में रखे हुए है, जिसकी सुरक्षा सशस्त्र पुलिस बल द्वारा की जा रही है। टीम भावन के साथ सभी अधिकारी व अध्यापक काम करें। बोर्ड द्वारा दिए गए गाइड लाइन का सभी केंद्र व्यवस्थापक अध्ययन करें। बोर्ड द्वारा दिए गए नियमों का पूर्ण पालन सुनिश्चित करें।

प्रयागराज में रेलवे का इमरजेंसी प्लान खत्म, स्टेशनों पर भीड़ कम

प्रयागराज। प्रयागराज में पिछले चार दिनों से लागू रेलवे के इमरजेंसी प्लान के कारण शहर में कई प्रमुख मार्ग बंद कर दिए गए थे, जिससे रेलवे स्टेशन के पास रहने वाले स्थानीय लोगों को भारी परेशानियों का सामना करना पड़ रहा था। जानसेनगंज से लीडर रोड और जोगीघैर से स्टेशन जाने वाले रास्ते पूरी तरह से अवरुद्ध थे। अब रेलवे का इमरजेंसी प्लान खत्म कर दिया गया है, जिसके बाद पुलिस ने इन मार्गों को फिर से खोल दिया। बुधवार सुबह रास्ते खुलते ही शहरवासियों ने राहत की सांस ली। स्थानीय लोगों और व्यापारियों को सबसे अधिक असुविधा हो रही थी, क्योंकि इन मार्गों से आवागमन बाधित होने के कारण उन्हें वैकल्पिक और लंबा रास्ता अपनाना पड़ रहा था।

साइबर ठगों ने आबकारी विभाग को दी टेंशन

मथुरा। साइबर ठगों ने आबकारी विभाग की टेंशन बढा दी है। इन दिनों आबकारी विभाग में शराब के ठेकों के वितरण की प्रक्रिया चल रही है। ई–लॉटरी के माध्यम से आवंटन प्रक्रिया पूरी की जा रही है। इस प्रक्रिया के तहत राशि जमा करने से लेकर आवंटन के लिए आवेदन करने तक बस कुछ आन लाइन संपन्न हो रहा है। यह आवंटन में पारिदर्शिता लागने के साथ ही अधिक से अधिक प्रतिस्पर्धियों को इस प्रक्रिया में लाने के लिए भी किया गया है। अब साइबर ठगों ने आबकारी विभाग की टेंशन बढा दी है। यह टेंशन इतनी बडी है कि अबकारी विभाग की ओर से आवंटन प्रतिस्पर्धियों के लिए अलर्ट जारी करना पडा है। साइबर ठगों ने इस प्रक्रिया में सेंधमारी कर दी है। आबकारी विभाग की ओर से अलर्ट जारी किया गया है। साइबर ठगों ने पूरी प्रक्रिया के लिए अलग से एक वेबसाइट बना दी है, जिससे आवंटन प्रक्रिया का हिस्सा बन रहे लोग ठगी का शिकार हो रहे हैं। आबकारी विभाग ने अलर्ट जारी किया है और कहा कि लोग इस नकली वेबसाइट से सावधान रहें। यह आबकारी विभाग की ई लॉटरी की आधिकारिक वेबसाइट नहीं है। संभव है कि यह वेबसाइट आपराधिक तत्वों द्वारा लोगों के पैसे अवैध रूप से धोखाधड़ी करके वसूलने के लिए बनायी गयी हो। आबकारी विभाग इस वेबसाइट के खिलाफ कानूनी कार्यवाही कर रहा है। विभाग की ओर से वेबसाइट जारी कर कहा गया है कि ई लॉटरी के लिए आबकारी विभाग की एकमात्र आधिकारिक वेबसाइट है। केवल इस आधिकारिक वेबसाइट को ही एक्सेस करें। इसके इतर किसी मिलती झुलती वेबसाइट या जिस वेबसाइट की शिकायत मिल रही हैं उस पर जाने और प्रक्रिया पूरी करने पर आप ठगी का शिकार हो सकते हैं। इस लिए सतर्कता बरतें। किसी तरह की परेशनी होने पर विभाग से संपर्क करें।

बजट में योगीराज की नगरी को योगी का बडा तोहफा बांकेबिहारी मंदिर कारिडोर के लिए बजट में बडी धनराशि आवंटित

मथुरा। बजट में योगीराज की नगरी को मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने बडी सौगात दी है। प्रतीक्षारत बांकेबिहारी मंदिर कॉरिडोर के लिए बजट में बडा ऐलान किया गया है। इस पर कान्हा की नगरी के लोगों ने खुशी का इजहार किया है। अश्वनी शर्मा ने कहा कि यह एक बडा तोहफा है। कॉरिडोर निर्माण का

रास्ता साफ हुआ है। मथुरा वृंदावन में इसके बाद रोजगार की सूरत बदल सकती है। मथुरा वृंदावन सहित ब्रज के दूसरे धार्मिक स्थल धार्मिक पर्यटन हब के रूप में विकसित होंगे।

योगी सरकार ने अपना 9वां बजट पेश किया है। इस बजट में बांके बिहारी मंदिर कॉरिडोर के लिए भूमि क्रय के लिए 100 करोड़ रुपये और निर्माण के लिए 50 करोड़ रुपये के बजट का प्रस्ताव दिया है। वित्तमंत्री सुरेश खन्ना ने अपने बजट भाषण में कहा कि वर्ष 2024 में जनवरी से दिसम्बर तक उत्तर प्रदेश में कुल 65 करोड़ से अधिक पर्यटक आये जिनमें विदेशी पर्यटकों की संख्या 14 लाख है। इ.वीरभान सिंह ने कहा कि टीटीजेड में बडा हिस्सा आने के बाद मथुरा में रोजगार के अवसर सीमित हुए थे। सरकार की सोच और योजनाएं फलीभूत हो रही हैं। धार्मिक पर्यटन के साथ ही ग्रामीण पर्यटन की भी यहां अपार संभावनाएं विद्यमान थीं जिन्हें अब संयोजा और संवारा जा रहा है।

भोपा अस्पताल मे महिलाओ के ऑपरेशन आरम्भ

भोपा स। क्षेत्र की ग्रामीण महिलाओ को सस्ता व सुलभ इलाज प्रदान कराने व क्षेत्र मे ही गर्भवती महिलाओ के ऑपरेशन द्वारा प्रसव कराने की मांग ग्रामीणों द्वारा की गयी थी।बिजनौर सांसद चंदन चौहान ने मीरापुर विधायक रहते भोपा अस्पताल मे एफ आर यू यूनिट सुविधा की मांग लखनऊ विधानसभा मे उठायी थी जिसपर सरकार द्वारा संज्ञान लेकर यह प्रस्ताव पारित हो गया था।बुधवार को पहली बार सीएचसी भोपा में ऑपरेशन प्रसव से चार महिलाओ ने बच्चों को

जन्म दिया। जच्चा बच्चा दोनों ही स्वस्थ है। लगभग दो वर्ष पूर्व सीएचसी को एफआरयू का दर्जा मिला था। कई बार ग्रामीणों ने अधिकारियों से स्टाफ बढाए जाने की मांग भी की थी। चिकित्सा प्रभारी अधिकारी डॉ. सत्येंद्र कुमार ने बताया कि हाल ही में अधिकारियों ने विशेषज्ञ चिकित्सकों की तैनाती के साथ ही चिकित्सा से जुड़ी आवश्यक सामग्री,उपकरण उपलब्ध कराये थे।पहली बार सीएचसी पर ऑपरेशन प्रसव से चार बच्चों का जन्म हुआ। अब क्षेत्र की महिलाओं को इस सुविधा का लाभ मिल सकेगा। सीकरी की आकांक्षा,मजलिसपुर तौफीर की काजल ने बेटी को जन्म दिया। इसी के साथ जौली की सोजी व बेहड़ा सादात की शाहिन ने बेटे को जन्म दिया हैं। आज सीएचसी में ऑपरेशन प्रसव से जन्में बच्चों की किलकारी गूंजी। मिष्ठान आदि का वितरण भी किया गया। सांसद चंदन चौहान ने समस्त स्टाफ व महिलाओं को सफल ऑपरेशन सुविधा की बधाई देते हुए कहा की वह क्षेत्र के विकास तथा क्षेत्रवासियों को प्रत्येक सुविधाओं को दिलाने का प्रयास जारी रखेंगे। इस दौरान प्रभारी चिकित्सा अधिकारी डॉ.सत्येंद्र कुमार,डॉ.शिखा,डॉ.यशस्वी जैन,रामअवतार सिंह,जय सत्य सैनी, प्रवीण वैलिन,ग्लोरियस रूपस , सुप्रिया, दीपा, रवि नायक, मनोज कुमार शर्मा आदि मौजूद रहे।

वृद्धाश्रम में लावारिस मां रेखा द्विवेदी मिला बेटा दक्षम

महाकुम्भ नगर। समाज कल्याण विभाग की ओर से सेक्टर–सात में संचालित अस्थायी वृद्धाश्रम में रह रहीं मां रेखा द्विवेदी से उनके बेटे दक्षम द्विवेदी ने मुलाकात की। लावारिस स्थिति में मां के अस्पताल में भर्ती होने की खबर की जानकारी होने पर सक्षम मंगलवार रात प्रयागराज पहुंचे।

श्रीराम कालेज भारतीय संस्कृति और समाज को कर रहा कलंकितः मनीष चौधरी

मुजफ्फरनगर। राष्ट्रीय सामाजिक संस्था के राष्ट्रीय अध् यक्ष प्रमुख समाजसेवी मनीष चौधरी के नेतृत्व में गुरुवार को श्रीराम कॉलेज परिसर में भारतीय संस्कृति और युवा पीढ़ी को बचाने के लिए धरना देकर बेमियादी आंदोलन शुरू करने की चेतावनी भी दी गई। इससे पहले सवेरे कॉलेज परिसर में जुटे लोगों ने 11 पंडितों के साथ श्री हनुमान चालीसा का पाठ कर कॉलेज के दूषित वातावरण और कॉलेज प्रबंधन व प्रशासन के लोगों की अश्लील मानसिकता का शुद्धिकरण के लिए प्रार्थना भी की और प्रशासन से इसमें समाज की भावना और रोष को देखते हुए कार्यवाही करने की मांग भी उठी।

मनीष चौधरी ने बताया कि श्रीराम कॉलेज लगातार भारतीय संस्कृति और समाज को अपमानित और दूषित करने के लिए अश्लीलता पर आधारित कार्य और प्रोग्राम आयोजित करा रहा है। हाल ही में वार्षिकोत्सव में जिस प्रकार से श्रीराम कॉलेज में प्रबंधन और प्रशासन के लोगों के द्वारा कलाकारों और छात्राओं के माध्यम से अश्लील नृत्य कराकर समाज को कलंकित करने का काम किया, वो निंदनीय है। इसमें किन्नर

समाज को भी अपमानित करने का काम किया किया और यह किसी भी लिहाज से शिक्षा के मंदिर जैसे स्थान पर होना अस्वीकार्य है। इससे युवा पीढ़ी को अपनी संस्कृति और सभ्यता के साथ ही सामाजिकता से अलग अश्लीलता की ओर ध केला जा रहा है। हमारी संस्था ने देश के युवाओं को दूषित मानसिकता से बचाने और संस्कृ ति की रक्षा के लिए ही श्रीराम कॉलेज के खिलाफ आवाज बुलंद कर शिक्षा विभाग और प्रशासन से कार्यवाही की मांग की, लेकिन कोई कदम नहीं उठाये जाने पर आज यहां पहले श्री हनुमान चालीसा का पाठ किया गया और इसके बाद बेमियादी धरना शुरू कर दिया गया है। समाज के सहयोग से यह आंदोलन तब तक चलाया जायेगा, तब तक अश्लील हरकत और कार्यक्रम को लेकर श्रीराम कॉलेज की ओर से सार्वजनिक तौर पर कोई माफीनामा नहीं दिया जाता है। उन्होंने कहा कि समाज में रोष के बावजूद भी श्रीराम कॉलेज की ओर से समाज की भावना को देखते हुए कोई खेद तक व्यक्त नहीं किया गया है, जो दर्शाता है कि अश्लीलता के प्रचारक बने चुके श्रीराम कॉलेज के प्रबंधन और प्रशासन के लोगों की सोच कितनी असामाजिक और कुत्सित होने के साथ ही अश्लीलता को बढ़ावा देने वाली है। उन्होंने मांग करते हुए कहा कि श्रीराम कॉलेज को नृत्य के नाम पर अश्लीलता और नग्नता के लिए समाज से माफी मांगनी चाहिए, शिक्षा विभाग और प्रशासन इसमें संज्ञान लेकर कार्य करे, नहीं तो यह आंदोलन और भी बड़ा किया जायेगा।

प्रदर्शन के दौरान मुख्य रूप से केपी चौधरी, , भारतवीर सिंह, गुरदास सिंह, चौ. किरणपाल सिंह, जयदेव पंवार, प्रमोद कुमार खेडी, जयवीर बालियान, पुष्पेन्द्र विश्नोई, शैलेन्द्र मलिक, आदित्य राणा, रामबीर सिंह राणा, योगेन्द्र कुमार पंडित बृजेश दुबे, विनेश दूबे, रामचरण सिंह सहित बड़ी संख्या में ब्राह्मण लोग और युवा मौजूद रहे।

द्रोणाचार्य प्रतियोगिता में उत्तीर्ण छात्र-छात्रा किए सम्मानित

मथुरा। एस के एस ग्लोबल स्कूल वसु सरुपा राया में द्रोणाचार्य प्रतियोगिता का आयोजन किया गया जिसमें उत्तीर्ण छात्र छात्राओं को बतौर मुख्य अतिथि इंस्पेक्टर अवधेश कुमार ने पुरस्कृत किया। गुरुवार को चेयर मेन मनोज चौधरी ने

बताया कि स्कूल में द्रोणाचार्य परीक्षा का आयोजन किया गया था जिसमें कक्षा एक से कक्षा आठवीं तक के करीब 250 छात्रों ने भाग लिया था परीक्षा में प्रथम ,द्वितीय एवं तृतीय पुरस्कार के लिए सभी कक्षाओं के वर्गों से 65 छात्र छात्राओं ने परीक्षा उत्तीर्ण की जिन्हें प्रोत्साहन हेतु पुरस्कृत किया गया है। मुख्य अतिथि अवधेश कुमार ने कहा कि शिक्षा के समग्र अध्ययन छात्रों के लिए अति आवश्यक है समय–समय पर होने वाली परीक्षाओं में उत्तीर्ण छात्रों को पुरस्कृत करने से मनोबल बढ़ता है। इस दौरान , विशिष्ट अतिथि उपज के जिला अध्यक्ष अतुल कुमार जिंदल, उपज के महासचिव ठाकुर विष्णु पहलवान,प्रधानाचार्य दिनेश सिंह, विक्रम सिंह प्रधान,शिक्षक गण आदि रहे।

बजट में शिक्षा, खेल एवं स्वरोजगार पर जोरः छात्रसंघ नेता अमन जैन

मुजफ्फरनगरसछात्रसंघ संयुक्त सचिव अमन जैन ने उत्तर प्रदेश सरकार द्वारा पेश हुए बजट की सराहना करते हुए कहा कि यूपी सरकार के द्वारा पेश इस बजट में श्आज का युवा कल के विकसित भारत का युवा बनेश

इस बात की झलक देखने को मिलती हैं। इस बजट में शिक्षा, खेल और स्वरोजगार का विशेष ध् यान दिया गया है। छात्रसंघ नेता अमन जैन ने बताया कि शिक्षा के स्तर को सुदृढ़ करने के लिए प्राथमिक विद्यालयों के लिए 2000 करोड़, उच्चतर शिक्षा का स्तर बढ़ाने के लिए 600 करोड़, आध् ुनिक पुस्तकालय के निर्माण हेतु 80 करोड़, प्रत्येक वर्ग के विद्यार्थियों हेतु छात्रवृत्ति के लिए फंड, स्कूल वेशभूषा , बैग के लिए 550 करोड़ , समग्र शिक्षा अभियान के लिए 666 करोड़ तथा राजकीय विश्व विद्यालयों और खेल विश्व विद्यालय की व्यवस्था के लिए लगभग 400 करोड़ और कौशल विकास को ध्यान में रखते हुए युवाओं को स्वरोजगार करने के लिए 1225 करोड़ खर्च कर प्रदेश के विद्यार्थियों को आत्मनिर्भर बनाने की व्यवस्था की गई है।

ठाकुर शादी राम मुखिया सरस्वती शिशु विद्या मंदिर दूधली में वार्षिक उत्सव संपन्न

मुजफ्फरनगर स मुजफ्फरनगर के ठाकुर शादी राम मुखिया सरस्वती शिशु विद्या मंदिर दूधली में वार्षिक उत्सव बड़े ही धूमध् ााम हर्ष उल्लास उमंग और उत्साह के साथ मनाया गया जिसमें मुख्य वक्ता मास्टर राजेंद्र सिंह कार्यक्रम के अध्यक्ष डॉक्टर देवदत्त शर्मा व मुख्य अतिथि विपिन त्यागी रेनू अग्रवाल व मनीष गर्ग व प्रवीण कुमार राणा व प्रवीण कुमार रहे मंच संचालन प्रमोद कुमार द्वारा किया गया जिसमें विद्यालय प्रबंध् ाक अजब सिंह अध्यक्ष रामवीर तोमर व संरक्षक इंद्रदत्त शर्मा विद्यालय के सभी छात्र एवं अभिभावक कार्यक्रम में उपस्थित रहे वार्षिक उत्सव की सफलता के के लिए मुजफ्फरनगर गांधी कॉलोनी गांधी वाटिका के सामने मेंन रोड मैजिक डांस एकेडमी संस्थापक डांस कोरियोग्राफर मोहन अरोरा व पूरी डांस टीम ने आयोजकों को बधाई शुभकामनाएं दी है।

मधुमक्खियां के हमले मे बाईक सवार गिरकर हुआ घायल

भोपा स। गंग नहर कावड़ मार्ग पर मधु मक्खियों के अचानक हमले मे बाईक सवार सड़क पर गिरकर घायल हो गया घायल

को उपचार के लिए अस्पताल ले जाया गया। भोपा थाना क्षेत्र के गांव बेलडा निवासी मोनिस अली बुध् ावार को बाईक द्वारा गांव बसेड़ा मे किसी कार्य से जा रहा था जैसे ही वह गंग नहर पटरी मार्ग से गुजर रहा था।की अचानक गुस्साई मधु मक्खियों ने उसपर हमला बोल दिया। जिससे वह सड़क पर गिरकर घायल हो गया। शोर सुनकर खेतो मे कार्य कर रहे व्यक्तियों ने स्वयं को मधु मक्खियों से बचाकर घायल को उपचार के लिए अस्पताल पहुंचाया । प्राप्त जानकारी के अनुसार रात्रि मे अज्ञात व्यक्तियों द्वारा मधुमक्खियां के छत्ते को तोड़कर शहद को निकाला गया था।

होली पर हुड़दंग बर्दाश्त नहीं, पीने वालों की खैर नहीं

मथुरा। बलदेव थाने पर होली पर्व को लेकर पुलिस एवं प्रशासन अधिकारियों ने बैठक की। बलदेव में थाने पर श्री दाऊजी महाराज के विश्व प्रसिद्ध हुरंगा, होली महोत्सव, महाशिवरात्रि के लिए आवश्यक बैठक सम्पन्न हुई। विश्व प्रसिद्ध श्री दाऊजी महाराज मंदिर हुरंगा 15 मार्च को लेकर आवश्यक दिशा निर्देश जारी किए। मंदिर व क्षीरसागर का निरीक्षण किया। एसडीएम आदेश कुमार ने बताया विश्व प्रसिद्ध दाऊजी के हुरंगा के लिए व्यवस्थाएं देखी गई। हुरंगा सफल बनाने के मौके पर व्यवस्थाएं देखी है। क्षेत्राधिकारी धर्मेंद्र चौहान ने बताया होली महोत्सव के लिए पुलिस व्यवस्था सख्त रहेगी। होली पर हुड़दंग बर्दाश्त नहीं होगा, पीने वालों की खैर नहीं होगी। होली पर्व को शांति से मनाने की अपील की है। असामाजिक तत्वों को होली पर्व पर अशांति फैलाने पर किसी प्रकार से बख्शा नहीं जाएगा। होली पर नगर में चार पहिया वाहन का प्रवेश प्रतिबंधित रहेगा। चेयरमैन डा मुरारीलाल अग्रवाल ने कहा विभिन्न स्थानों पर बेरीकेडिंग लगेगी। साफ सफाई कराई जाएगी। इस दौरान थाना प्रभारी त्रिलोकी सिंह, अधिशासी अधिकारी संजय कुमार, कार्यवाहक मंदिर रिसीवर सूबेदार केपी तोमर, प्रधान संगठन अध्यक्ष योगेश गौतम, लेखराज पहलवान प्रधान, अमित भारद्वाज, सभासद कन्हैया लाल, विवेक पचौरी, श्रीकांत, ब्रजेश पांडेय, गोकुलेश पांडेय, कन्हैया पांडेय , शुभम पांडेय, लक्ष्मन सिंह आदि थे।

मुख्यमंत्री सामूहिक विवाह योजना के अंतर्गत सामूहिक विवाह का आयोजन विकास खण्ड सदर में हुआ संपन्न

83 नव विवाहित जोड़ों का विवाह अपने-अपने धार्मिक रीति रिवाज के अनुसार कराया गया संपन्न

मुजफ्फरनगर। सजिला पंचायत अध्यक्ष वीरपाल निर्वाल की अध्यक्षता में आज मुख्यमंत्री सामूहिक विवाह योजना के अंतर्गत तहसील सदर के विकास खण्ड सदर में सामूहिक विवाह समारोह कार्यक्रम का आयोजन किया गया।

सामूहिक विवाह योजना के अंतर्गत 83 जोड़ों का विवाह संपन्न कराया गया, जिसमें 16 मोरना,10 जानसठ, 28 सदर,16 खतोली, 04 नगर पंचायत जानसठ, 09 नगर पालिका मुजफ्फरनगर, जिसमें 25 मुस्लिम जोड़ों का निकाह संपन्न हुआ एवं 58 हिंदू जोड़ों का हिंदू रीति रिवाज के अनुसार विवाह संपन्न कराया गया

मुख्यमंत्री सामूहिक विवाह योजना के अंतर्गत सामूहिक विवाह कार्यक्रम के मुख्य अतिथि जिला पंचायत अध्यक्ष वीरपाल निर्वाल को जिला समाज कल्याण अधिकारी के द्वारा पुष्प गुच्छ देकर स्वागत किया। जिला पंचायत अध्यक्ष ने अपने संबोधन में कहा कि मुख्यमंत्री सामूहिक विवाह योजना के अंतर्गत उन सभी गरीब बेटियों का कपड़ा, सहेरा, मुकुट, गमछा, 51 बर्तनों का डिनर सेट, प्रेशर कुकर, एवं ट्रॉली बैग, प्रदान किया गया।

मुख्यमंत्री सामूहिक विवाह योजना के अंतर्गत नव विवाहितों

पर सरकार द्वारा 51000 हजार रूपए की धनराशि खर्च की जाती है, जिसमें वधू के लिए ध35000 सीधे उनके खाते में भेजे जाते हैं,ध10000 दस हजार सामग्री पर खर्च किए जाते हैं।वध् ाू के लिए शादी का जोड़ा, एक जोड़ी पायल,एक जोड़ी बिछिया, वर के लिए एक जोड़ी पैंट शर्ट वर व वधुओं को जिला पंचायत अध्यक्ष वीरपाल निर्वाल ने दिया आशीर्वाद देते हुए। कहां की वर एवं वधू दोनों ही ऐतिहासिक अपने दायित्व को निभाते हुए अपना दांपत्य जीवन सुखमय व्यतीत करें। उन्होंने कहा कि सरकार द्वारा संचालित विभिन्न जनकल्याणकारी योजनाओं का लाभ आमजन को पहुंचाने का कार्य सरकार द्वारा निरंतर किया जा रहा है। चाहे वह कृषि क्षेत्र में हो या औद्योगिक क्षेत्र में हो अथवा शिक्षा क्षेत्र में हो सभी क्षेत्र में सरकार समाज को आगे बढ़ने का कार्य कर रही है। सरकार द्वारा संचालित जन कल्याणकारी योजनाओं से पात्र लाभार्थियों को किया जा रहा है लाभान्वित। विवाह कार्यक्रम में माननीय जनप्रतिनिधि एवं अधि कारियों द्वारा वर व वधु नव विवाहित जोड़ों को आशीर्वाद दिया गया एवं उनके उज्जवल भविष्य की कामना की गई। इस अवसर पर ब्लॉक प्रमुख मोरना अनिल राठी,जिला उपाध्यक्ष भाजपा अमित चौधरी,समाज कल्याण अधिकारी विनीत मलिक, विकास खंड विकास अधिकारी, सहित संबंधित सभी अधिकारी गण उपस्थित रहे।

सनातन धर्म महाविद्यालय में "SWAYAM एवं NAAC" कार्यशाला का आयोजन

सहारनपुर स मां शाकुम्भरी विश्वविद्यालय, सहारनपुर के नेतृत्व में "SWAYAM एवं NAAC" कार्यशाला का आयोजन, सनातन धर्म महाविद्यालय, मुजफ्फरनगर के ऑडिटोरियम हॉल में किया गया। कार्यक्रम का शुभारंभ मां शाकुम्भरी विश्वविद्यालय, सहारनपुर की कुलपति , प्रो विमला वाई, का महाविद्यालय प्राचार्य प्रो सुधीर कुमार पुंडीर एवं महाविद्यालय परिवार के सदस्यों द्वारा भव्य स्वागत कर किया गया। कार्यक्रम में श्री वी.के. मौर्य (कुलसचिव, एम.एस.यू., सहारनपुर), प्रो ओमकार सिंह (एन.ई.पी. कॉर्डिनेटर, एम.एस. यू., सहारनपुर), डॉ सुदर्शन मिश्रा (नोडल, ल्डि), डॉ अंगना सेनगुप्ता (कॉर्डिनेटर, SWAYAM&NPTEL, लोकल चौप्टर, IIT&Kanpur) एवं मां शाकुम्भरी विश्वविद्यालय, सहारनपुर से सम्बद्ध अन्य महाविद्यालय के प्राचार्य तथा शिक्षक उपस्थित रहे। कार्यशाला की मुख्य वक्ता डॉ अंगना

सेनगुप्ता ने SWAYAM के कार्यान्वयन, एकीकरण एवं उपयोग की विस्तृत जानकारी पीपीटी के माध्यम से साझा की। कार्यक्रम की अध्यक्षता करते हुए कुलपति , प्रो विमला वाई ने सभी महाविद्यालय के शिक्षकों को प्रोत्साहित किया, साथ ही अपने कर्तव्यों का निर्वहन करने की प्रेरणा देते हुए समय की प्रतिबद्धता को सुनिश्चित करने पर जोर दिया।

द्वितीय सत्र में NAAC के क्रियान्वयन हेतु सभी संबंधित अतिथि पुनः ऑडिटोरियम हॉल में एकत्रित हुए। इस सत्र में प्रो एस.सी. कुलश्रेष्ठ (सदस्य, SLQAC,oa RQAC), प्रो दिनकर मलिक (IQAC कॉर्डिनेटर, एम.एस.यू., सहारनपुर), प्रो मोनिका सिंह (क्षेत्रीय उच्च शिक्षा अधिकारी) एवं प्रो प्रमोद कुमारी (सदस्य, RQAC एवं गवर्नमेंट नॉमिनी) ने NAAC के मूल्यांकन हेतु मार्गदर्शन प्रदान किया। इस सत्र की अतिथि वक्ता, प्रो मोनिका सिंह ने ऑनलाइन माध्यम से जुड़कर छ।ठ की अनिवार्यता पर चर्चा की। महाविद्यालय प्राचार्य प्रो सुधीर कुमार पुंडीर, छ।ठ कॉर्डिनेटर, एम.एस.यू., सहारनपुर ने कार्यशाला का समापन करते हुए सभी विशिष्ट अतिथियों का धन्यवाद ज्ञापित किया। कार्यशाला का सफल संचालन प्रो अलका बंसल एवं प्रो ममता श्याम द्वारा किया गया। कार्यक्रम का संयोजन डॉ ध्रुव गुप्ता, डॉ मदनपाल, डॉ सविता, लेफ्टिनेंट अजय, डॉ आशना गुप्ता, डॉ शिवानी मौर्य एवं महाविद्यालय के अन्य शिक्षक एवं शिक्षणेत्तर कर्मचारियों द्वारा किया गया।

100 करोड़ की वसूली वाल नगर निगम अदद स्टेडियम से महरूम

-मथुरा वृंदावन नगर निगम अपना खेल मैदान तलाश रहा है

मथुरा। चालू वित्त वर्ष में करीब 100 करोड़ की वसूली का लक्ष्य नगर निगम लेकर चल रहा है। इस दिशा में मजबूती से निगम के कदम बढ़ रहे हैं। सीमा विस्तार के बाद निगम का आकार बडा हुआ है। भूतेश्वर कंपाउण्ड में निगम को अत्याधुनिक सुविधाओं से सुसज्जित आलीशान कार्यालय मिल गया है। इतना सब होने के बावजूद नगर निगम के पास अपना कोई स्टेडियम नहीं है। नगर निगम इस कमी को पूरा करने के लिए लगातार प्रयास कर रहा है। निगम की ओर से संभावनाएं तलाशी जा रही हैं कि एक ठीक ठाक स्टेडियम उसे मिल जाए। हालांकि गणेशरा स्टेडियम है लेकिन उसमें निगम का कोई योगदान नहीं है। मथुरा में नगर निगम के पास ऐसा कोई खुला स्थान नहीं है। अब वृंदावन में ये संभावनाएं तलाशी जा रही हैं। नगर आयुक्त शशांक चौधरी ने वृंदावन स्थित हजारीमल सोमानी ग्राउंड को स्टेडियम रूप में विकसित किए जाने के लिए ग्राउंड का निरीक्षण किया। निरीक्षण के दौरान संबंधित अधिकारी को आवश्यक दिशा निर्देश दिए गए। इसके बाद नगर आयुक्त द्वारा हजारीमल सोमानी ग्राउंड के पास खाली पड़ी हुई जमीन का निरीक्षण किया गया तथा जमीन पर गेस्ट हाउस बनवाने के लिए उपस्थित प्रभारी मुख्य अभियंता सिविल को निर्देशित किया गया । तदोपरांत नगर आयुक्त महोदय द्वारा वृंदावन स्थित स्मार्ट सिटी योजना के अंतर्गत निर्मित मल्टी लेवल कार पार्किंग का निरीक्षण किया गया निरीक्षण के दौरान मल्टी लेवल कार पार्किंग के संचालन के लिए संबंधित अधिकारी को निर्देश दिए गए। निरीक्षण के दौरान अपर नगर आयुक्त चंद्र प्रकाश पाठक, सहायक नगर आयुक्त अनुज कौशिक, अमरेंद्र गौतम मुख्य अभियंता सिविल, उम्मेद सिंह कर अधीक्षक, सफाई निरीक्षक सुभाष चंद्र उपस्थित रहे।

प्रशांत पाल के परिवारजनों को सांत्वना देने पहुंचे सेना के जवान

मोरनासकस्बा भोकरहेड़ी निवासी सशस्त्र सीमा बल के जवान प्रशांत पाल की बुधवार को सड़क दुर्घटना में दुखद मृत्यु हो गई थी। जवान की मौत से क्षेत्र में शोक की लहर छा गई थी। बुध् ावार की देर शाम जवान का शुकतीर्थ स्थित शमशान घाट पर किया। गमजदा परिवार को सांत्वना देनेवालों का तांता लगा हुआ है। सशस्त्र सीमा बल के कमांडेंट की ओर से परिजनों को शोक

संदेश भेजा गया। थाना भोपा क्षेत्र के कस्बा भोकरहेडी के मौहल्ला कुआंपट्टी निवासी सतपाल का 28 वर्षीय पुत्र प्रशांत पाल 2021 में सशस्त्र सीमा बल में सैनिक के रूप में भर्ती हुआ था। वर्तमान में प्रशांत की तैनाती लखीमपुर जनपद के पलिया में थी। आगामी 25 फरवरी को प्रशांत की बारात सरधना में जानी थी। बुधवार की दोपहर प्रशांत की भोकरहेडी बसेडा मार्ग पर सडक दुर्घटना में मौत हो गई थी। गुरूवार को मुख्य आरक्षी सचिन कुमार ओर आरक्षी देवपाल जनपद लखीमपुर पलिया कलां से अपने कमांडेंट रविंद्र कुमार राजेश्वरी 39वीं वाहिनी सशस्त्र सीमा बल का शोक पत्र लेकर परिजनों से मिले और मृतक जवान के पिता सत्यपाल सिंह, माता रोशनी देवी, भाई विशांत पाल, ताऊ सतवीर पाल, दादा मामचंद पाल और सुखवीर पाल से मिले और उनको ढांढस बंधाया। प्रशांत के परिवार को सांत्वना देने पहुंचे भाजपा के शुकतीर्थ मंडल अध्यक्ष अरुण पाल, पं. रामकुमार शर्मा, चौ. ब्रजवीर सिंह, रामपाल सिंह, जोगिंदर पाल, रवि आर्य, डॉ. कर्णवीर सिंह, कंवरपाल, पूर्व सैनिक सुधीश कुमार, जयपाल सिंह, हरिप्रकाश आदि उपस्थित रहे।

जीवन का निर्णायक मोड़ साबित होती है इंटरमीडिएट की परीक्षा - डा. आदित्यवीर

मोरना चइंटर कॉलेज भोकरहेड़ी में विद्यालय के पुरातन छात्र हरियाणा उच्च शिक्षा सेवा से सेवानिवृत्त प्रो. डॉ. आदित्यवीर सिंह का विद्यालय पहुंचने पर प्रधानाचार्य कैप्टन प्रवीण चौधरी, उप प्रध् ाानाचार्य रामेश्वर राम सहित समस्त स्टाफ ने जोरदार स्वागत किया। हरियाणा उच्च शिक्षा सेवा से सेवानिवृत्त प्रो. डॉ. आदित्यवीर

सिंह ने बताया कि उन्होंने इंटर कॉलेज भोकरहेड़ी से कक्षा 6 सन 1966 में पास किया था। उसके बाद विभिन्न शिक्षण संस्थानों से होते हुए उन्होंने उच्च शिक्षा ग्रहण करने के बाद हरियाणा राज्य में उच्च शिक्षा में अपनी सेवाएं दी। अपने पुरातन विद्यालय में आकर वह भाव विभोर हो गये। उन्होंने छात्रों को आशीर्वाद देते हुए कहा कि आप इंटरमीडिएट की परीक्षा को पूरी मेहनत से अच्छे नंबरों के साथ पास करें। यह आपके जीवन में निर्णायक मोड़ साबित होगी। आप अच्छे अंक के साथ पास होंगे तो आपको आगे अच्छा विद्यालय चयन करने में आसानी होगी। मेहनत का कोई विकल्प नहीं है। आप पूरी मेहनत करें और अपने विषय को लिख लिख कर याद करें। आजकल छात्र लिखाई पर कम ध्यान देते हैं और जब परीक्षा आती है तब उनके हाथ दर्द करने लगते हैं। उन्होंने पुराने दिनों की यादों को साझा किया। प्रबंध समिति के कोषाध्यक्ष मनोज कुमार ने प्रोफेसर साहब के बारे में काफी बातें बताई। इस अवसर पर प्रबंधक डॉ. कर्णवीर सिंह, नीरू, आरती, नीतू, उत्तम मलिक, सुरेशचंद, नवनीत पांडे, पवन यादव, गोविंद वर्मा, सुनील कुमार, संजय ठाकुर, अमित राणा, कपिल कुमार आदि शिक्षक शिक्षिकाएं एवं छात्र उपस्थित रहे।

देवर ने भाभी के साथ किया दुष्कर्म, पति ने दिया तलाक

मोरना सपति की अनुपस्थिति मे देवर ने भाभी को अकेला देख तमंचे के बल पर दुष्कर्म की घटना को अंजाम दिया है।पीड़िता ने ससुराल जनो पर जानलेवा हमला करने साथ ही पति पर तीन तलाक देने के भी गंभीर आरोप लगाते हुए कार्रवाई की मांग पुलिस से की है। ककरौली थाना क्षेत्र के गांव निवासी महिला ने बताया की उसके पति अक्सर घर से बाहर रह कर कार्य करते हैं। उसके तीन पुत्रीयां हैं। पुत्र न होने का ताना ससुरालजन देते रहते हैं।बुधवार की शाम जब पीड़िता घर मे अकेली थी। उसका देवर वहां आया ओर तमंचे के बल पर जबरदस्ती उसके साथ दुष्कर्म की घटना को अंजाम दिया।उसने ससुरालजनो से यह बात बताई तो उन्होंने मारपीट की।

सम्पादकीय........

बचपन पर भारी स्मार्टफोन

तकनीक के जरिये विकास की अंधी दौड़ में हम बहुत कुछ खो भी रहे हैं। इंसान कभी मशीन से संचालित नहीं हो सकता। मानवीय संवेदनाएं और अहसास कभी कृत्रिम नहीं हो सकते। दूसरे शब्दों में कहें तो कोई तकनीक, मशीन व उपकरण सहयोगी तो हो सकते हैं, मगर मालिक नहीं हो सकते। कमोबेश यही बात शिक्षा में तेजी से बढ़ते स्मार्टफोन के उपयोग और उसके घातक प्रभावों को लेकर कही जा सकती है। निस्संदेह, शिक्षा के बाजारीकरण और नई शैक्षिक परिपाटी में मोबाइल की अपरिहार्यता को महंगे स्कूलों ने स्टेटस सिंबल बना दिया है। लेकिन हालिया वैश्विक सर्वेक्षण बता रहे हैं कि पढ़ाई में अत्यधिक मोबाइल का प्रयोग विद्यार्थियों के लिये मानसिक व शारीरिक समस्याएं खड़ी कर रहा है। निस्संदेह, विभिन्न ऑनलाइन शैक्षिक कार्यक्रमों के चलते छात्र–छात्राओं में मोबाइल फोन का इस्तेमाल तेजी से बढ़ा है। तमाम पब्लिक स्कूलों ने ऑनलाइन शिक्षा के लिए मोबाइल फोन का इस्तेमाल अनिवार्य तक बना दिया है। कमोबेश सरकारी स्कूलों में ऐसी बाध्यता नहीं है। लेकिन वैश्विक स्तर पर किए गए सर्वेक्षण से यह तथ्य सामने आया है कि स्मार्टफोन एक हद तक तो सीखने की प्रक्रिया में मददगार साबित हुआ है, लेकिन इसके नकारात्मक प्रभावों को भी नजरअंदाज नहीं किया जाना चाहिए। इसमें दो राय नहीं कि एक समय महज बातचीत का जरिया माना जाने वाला मोबाइल फोन आज दैनिक जीवन की जरूरतों को पूरा करने वाला बेहद जरूरी उपकरण बन चुका है। खासकर कोरोना संकट के चलते स्कूल–कालेजों के बंद होने के बाद तो यह पढ़ाई का अनिवार्य हिस्सा बन गया। तब लगा था कि इसके बिना तो पढ़ाई संभव ही नहीं है। लेकिन नादान बच्चों के हाथ में मोबाइल बंदर के हाथ में उस्तरे जैसा ही है। जाहिरा तौर पर ये उनके भटकाव और मानसिक विचलन का कारण भी बन सकता है। अब इसके मानसिक व शारीरिक दुष्प्रभावों पर व्यापक स्तर पर बात होने लगी है। यहां तक कि आस्ट्रेलिया समेत तमाम विकसित देश स्कूलों में मोबाइल के उपयोग पर रोक लगा रहे हैं। अब तो यूनेस्को अर्थात संयुक्त राष्ट्र शैक्षिक, वैज्ञानिक एवं सांस्कृतिक संगठन की दुनिया में शैक्षिक स्थिति पर नजर रखने वाली टीम ने भी स्मार्टफोन के उपयोग से विद्यार्थियों पर पड़ने वाले दुष्प्रभावों पर चिंता जतायी है। इसकी रिपोर्ट भारत में शिक्षा के नीति–नियंताओं की आंख खोलने वाली है। यूनेस्को की टीम के मुताबिक बीते साल के अंत तक कुल पंजीकृत शिक्षा प्रणालियों में से चालीस फीसदी ने सख्त कानून या नीति बनाकर स्कूलों में छात्रों के स्मार्टफोन के प्रयोग पर रोक लगा दी है। दरअसल, आधुनिक शिक्षा के साथ कदमताल की दलील देकर तमाम पब्लिक स्कूलों में मोबाइल के उपयोग को अनिवार्य बना दिया गया। निस्संदेह, आधुनिक समय में स्मार्टफोन कई तरह से शिक्षा में मददगार है। लेकिन यहां प्रश्न इसके निरंकुश प्रयोग का है। साथ ही दुनिया में बेलगाम इंटरनेट पर परोसी जा रही अनुचित सामग्री और बच्चों पर पड़ने वाले उसके दुष्प्रभावों पर भी दुनिया में विमर्श जारी है। जिसमें प्रश्न बच्चों की निजता का भी है। वहीं प्रश्न ज्यादा प्रयोग से बच्चों के दिमाग व शरीर पर पड़ने वाले दुष्प्रभावों का भी है। निस्संदेह, शिक्षकों व अभिभावकों की देखरेख में सीखने की प्रक्रिया में स्मार्टफोन का सीमित उपयोग तो लाभदायक हो सकता है। लेकिन इसका अंधाधुंध व गलत उपयोग घातक भी हो सकता है। दरअसल, स्मार्टफोन में वयस्कों से जुड़े तमाम एप ऐसे भी हैं जो समय से पहले बच्चों को वयस्क बना रहे हैं। उन्हें यौन कुंठित बना रहे हैं। बड़ी चुनौती यह है कि बच्चों की एकाग्रता भंग हो रही है। बच्चों में याद करने की क्षमता घट रही है। ऐसे में जब शिक्षा में स्मार्टफोन का उपयोग टाला नहीं जा सकता, लेकिन उसका नियंत्रित उपयोग तो किया ही जा सकता है। निस्संदेह उसका उपयोग सीमित किया जाना चाहिए। संकट यह भी कि मोबाइल पर खेले जाने वाले ऑन लाइन गेम जहां बच्चों को मैदानी खेलों से दूर कर रहे हैं, वहीं स्वास्थ्य पर भी प्रतिकूल असर डाल रहे हैं। निश्चित तौर पर फोन छात्र–छात्राओं का सहायक तो बन सकता है, लेकिन उनके दिमाग को नियंत्रित करने वाला नहीं।

मुख्य निर्वाचन आयुक्त की जल्दबाजी में नियुक्ति

डॉ. दीपक पाचपोर

नेता प्रतिपक्ष राहुल गांधी ने इस बैठक के लिए पहले ही आपत्ति जाहिर कर दी थी, बावजूद इसके सरकार ने उन आपत्तियों को दरकिनार करते हुए न केवल बैठक की, बल्कि सोमवार देर रात नए मुख्य निर्वाचन आयुक्त के तौर पर ज्ञानेश कुमार को नियुक्त कर दिया।

जिस प्रकार से लोकतांत्रिक मर्यादाओं तथा परम्पराओं को ताक पर रखकर, जल्दबाजी में केन्द्र सरकार ने 26वें मुख्य निर्वाचन आयुक्त (चीफ इलेक्शन कमिश्नर– सीईसी) की नियुक्ति की है उससे चुनाव सुधार की उम्मीदों पर फिर से पानी फिर गया है। मुख्य निर्वाचन आयुक्त राजीव कुमार के 18 फरवरी को सेवानिवृत्त होने से पहले ही केंद्र सरकार ने प्रधानमंत्री कार्यालय में 17 फरवरी की शाम एक बैठक बुलाई, जिसमें प्रधानमंत्री और गृहमंत्री के अलावा नेता प्रतिपक्ष भी शामिल हुए। नेता प्रतिपक्ष राहुल गांधी ने इस बैठक के लिए पहले ही आपत्ति जाहिर कर दी थी, बावजूद इसके सरकार ने उन आपत्तियों को दरकिनार करते हुए न केवल बैठक की, बल्कि सोमवार देर रात नए मुख्य निर्वाचन आयुक्त के तौर पर ज्ञानेश कुमार को नियुक्त कर दिया। इस नियुक्ति पर भी विपक्ष सवाल उठा रहा है। 1988 बैच के केरल कैडर के आईएएस अधिकारी ज्ञानेश कुमार ने केंद्रीय गृह मंत्रालय में अपने कार्यकाल के दौरान जम्मू–कश्मीर में संविधान के अनुच्छेद 370 के कुछ प्रावधानों को निरस्त किये जाने के बाद निर्णय को लागू करने में महत्वपूर्ण भूमिका निभाई थी और 15 मार्च, 2024 को निर्वाचन आयुक्त के रूप में कार्यभार संभाला था। ये पहली बार है, जब मुख्य चुनाव आयुक्त का चयन मुख्य चुनाव आयुक्त एवं अन्य चुनाव आयुक्त (नियुक्ति, सेवा की शर्तें और पदावधि) अधिनियम, 2023 के तहत हुआ है। इससे पहले बीते साल ज्ञानेश कुमार और सुखबीर सिंह संधू को नए कानून के तहत चुनाव आयुक्त चुना गया था।निवर्तमान मुख्य निर्वाचन आयुक्त राजीव कुमार का कार्यकाल कई किस्म के विवादों में घिरा रहा। आरोप लगे कि उनके रहते आयोग ने भाजपा की सुविधानुसार चुनावी कार्यक्रम बनाना, सिर्फ विरोधी दलों के खिलाफ कार्यवाइयां करना, भाजपा के गलत कार्यों की अनदेखी करना, आचार संहिता का प्रतिपक्ष को दबाने में इस्तेमाल करना और विरोधियों को न सुनना जैसे कार्य किए। उनके दौर में हुए लगभग हर चुनाव में गड़बड़ी की शिकायतें विपक्ष ने कीं। ईवीएम में छेड़छाड़ से लेकर मतदाता सूची की गड़बड़ी जैसे गंभीर आरोपों के सवाल उठे, मतदान खत्म होने के कुछ घंटों के बाद वोटिंग का प्रतिशत बढ़ जाना, मतगणना बीच में रुकने या 6 ाीमी होने के बाद कुछ ही मिनटों में हारती हुई भाजपा की सीटों का इतना बढ़ जाना कि वह राज्यों में सरकार बना ले आदि ऐसी घटनाएं हैं जो हमेशा संदेह के घेरे में रहेंगी। विपक्ष ने भाजपा की जेबी संस्था, चूना आयोग जैसे शब्द चुनाव आयोग के लिए किए ताकि उसके आरोपों की गंभीरता समझी जाए। लेकिन इन सबका कोई असर संभवतः सरकार पर नहीं हुआ। लोकतंत्र के पक्ष में वे सारे लोग जो एक स्वतंत्र, मजबूत और निष्पक्ष चुनाव आयोग की उम्मीद राजीव कुमार के जाने के बाद लगाये बैठे थे, वे इसलिये मायूस हैं क्योंकि उन्हें वांछित बदलाव की अब कोई उम्मीद नहीं रह गयी है क्योंकि नये सीईसी का उसी धारा में तैरना लगभग तय माना जा रहा है। सीईसी के रूप में ज्ञानेश का कार्यकाल जनवरी, 2029 तक रहेगा। इस दौरान उनकी देखरेख में लगभग 20 विधानसभा चुनाव होंगे तथा अगली लोकसभा के लिये 2029 में होने वाली सारी भी तैयारियां वे करके जायेंगे– यदि उन्हें सेवा विस्तार नहीं मिलता तो। ऐसा तभी होगा यदि वे राजीव कुमार की बनाई लीक से हटकर काम करेंगे जिसकी उम्मीद कम है। केन्द्रीय निर्वाचन आयोग हमेशा भाजपा सरकार की जेब में बनी रहे, इसकी तैयारी पहले से कर ली गयी थी। 2023 में सीईसी नियुक्ति अधिनियम में संशोधन कर चयन समिति से सुप्रीम कोर्ट के मुख्य न्यायाधीश को हटा दिया। इसका उद्देश्य साफ था कि चयन प्रक्रिया में बहुमत सरकार का बना रहे। इसे लेकर विपक्ष, खासकर कांग्रेस आपत्ति जताती रही है। इसके खिलाफ शीर्ष कोर्ट में एक याचिका भी लगाई गयी है जिस सम्बन्ध में तीन सुनवाइयां हो चुकी हैं और अगली सुनवाई बुधवार 19 फरवरी को ही निर्धारित है। कहीं उच्चतम न्यायालय इस नियम को अवैध न ठहरा दे, इसलिये अदालती फैसले हेतु ठहरने की बजाये (और आशंका में) सोमवार को बैठक बुलाकर राहुल की कड़ी आपत्ति के बावजूद नया सीईसी घोषित किया गया। सरकार रुक सकती थी क्योंकि फिलहाल देश में कोई चुनाव नहीं है। केवल बिहार का होगा– वह भी इस साल के अंत में। आधी रात को राष्ट्रपति द्रौपदी मुर्मु ने हस्ताक्षर भी कर दिये। इसलिये राहुल ने इस प्रक्रिया को श्अपमानजनक व अशिष्टय बतलाया है जो कि गलत नहीं है। राहुल गांधी ने अपनी आपत्ति का एक पत्र केंद्र सरकार को दिया है। वहीं कांग्रेस ने एक ट्वीट में आधी रात का तख्तापलट शीर्षक के तहत कई बिंदुओं में समझाया है कि कैसे मोदी–शाह ने मुख्य चुनाव आयुक्त की नियुक्ति पर कब्जा किया है। कांग्रेस ने लिखा है कि सुप्रीम कोर्ट को दरकिनार करने से लेकर आधी रात की नियुक्ति तक, मोदी और शाह ने दिनदहाड़े सबसे बड़े चुनावी तख्तापलट को अंजाम दिया है। यह बेहद गंभीर आरोप है जो कांग्रेस ने लगाया है, अब देखना होगा कि अदालत इस आपत्ति का संज्ञान लेती है या नहीं।

मोदी, ट्रम्प और व्यावसायिक हित

अरविन्द मोहन

शेयर बाजार में चल रही मौजूदा दौर की गिरावट में बाजार के कुछ बड़े और कुशल खिलाड़ियों को कितने का नुकसान हुआ है यह हिसाब अब आने लगा है। कई का नुकसान लगभग एक तिहाई तक का है पर कुल मिलाकर बाजार इतना नहीं गिरा है। लेकिन ऐसे शीर्ष वाले लोगों का नुकसान अगर कुछ सौ करोड़ का है तो हमारे शेयर बाजारों के सारे निवेशकों का नुकसान दसेक लाख करोड़ रुपए से अधिक का हो चुका है और उसकी चर्चा कम है। यह पैसा आम लोगों का तो है ही, उनके बैंक जमा, प्राविडेन्ट फंड, साझा कोशों और बीमा कंपनियों को चुकाए उनके प्रीमियम की रकम का है। और आम तौर पर यह धन शेयर बाजार के विशेषज्ञों के साथ ही सरकार के इशारों पर बाजार में लगता है, उसे चढ़ाता और गिराता है। इस बार का भूचाल अमेरिकी शासन के बदलाव से जुड़ा है अर्थात डोनाल्ड ट्रम्प के फिर से राष्ट्रपति बनने के बाद लिए उन फैसलों और आने वाले फैसलों की आशंका से इसका रिश्ता है जिसे वे अमेरिका को फिर से महान बनाने के अपने वायदे के हिसाब से ले रहे हैं या लेने वाले हैं। इस बीच हमारे रुपए को गोता लगाने से बचाने के लिए(फिर भी उसने अच्छी खासी गिरावट दर्ज की है) रिजर्व बैंक ने कितना दंड–प्रणायाम किया है वह अलग हिसाब है पर उसने हमारी गाढ़ी कमाई के हजारों करोड़ मूल्य के डालर बाजार में उतारे हैं। और मोदी राज की शुरुआत में पच्चीस हजार के रेट वाले सोना ने आज प्रति दस ग्राम नब्बे हजार का स्तर छूकर कितनों को रुलाया है, यह हिसाब भी आसानी से लगाया जा सकता है। कोई उम्मीद कर सकता है कि जब हमारे प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने अमेरिका यात्रा की और ट्रम्प से मिले (या ऊनके पहले विदेश मंत्री जयशंकर ने अमेरिका में अड्डा डाला था) तो वे जरूर महाबली अमेरिका के इस राष्ट्रपति से अपना दुखदर्द कहेंगे और अभी तक जारी अच्छे राजनयिक संबंधों के आधार पर अपनी परेशानियों का समाधान चाहेंगे, अमेरिका–भारत संबंधों में इसके चलते खटास न आए, इसका इंतजाम करेंगे। ट्रम्प दोबारा चुनाव जीतकर कुछ ज्यादा ही आत्मविश्वास और अमर्यादित व्यवहार पर उतरे लगते है, शपथ ग्रहण करने के साथ ही उन्होंने दो सौ से ज्यादा बड़े फैसलों पर दस्तखत करके दुनिया को श्दहलाश् दिया था और अभी भी उनका उत्साह जारी है। इस उत्साह को दुस्साहस बताने वाले कम नहीं है क्योंकि इससे अमेरिका का लाभघाटा क्या होगा यह हिसाब नुकसान की तरफ जाता लगता है। कहा जाता है कि ट्रम्प इस बात से ज्यादा खुश न थे कि उनका मित्र माने जाने वाले मोदी ने बाइडन प्रशासन से भी अच्छा संबंध रखा और चुनाव हारने के कारण उनकी तरफ पीठ फेर लिया था। इसलिए मोदी और ट्रम्प की दोस्ती के पक्षधर इस बात को लेकर खुश हैं कि इस यात्रा में प्रधानमंत्री पुरानी गर्मजोशी हासिल करने में सफल रहे। बातचीत, व्यवहार, राजनयिक शिष्टाचार से लेकर इस यात्रा में हुए समझौतों के आधार पर ऐसा नहीं लगता क्योंकि सारा हिसाब अमेरिका के पक्ष में झुका हुआ है। और साझा प्रेस कांफ्रेंस में ट्रम्प ने जिस तरह से मोदी जी के प्रति व्यवहार दिखाया वह सामान्य न था, बल्कि कई बार तो यह खिल्ली उड़ाने के करीब तक पहुंच गया। और मोदी जी ट्रम्प प्रशासन के करीबी उद्यमी एलन मास्क से मिलने और उनके भारत से व्यावसायिक रिश्ते बनाने को लेकर जितने बेचैन रहे हैं उसमें उनका व्यवहार भी सामान्य शिष्टाचार वाला न था। वे प्रधानमंत्री से भेंट में अपनी पत्नी, बच्चों के साथ बच्चों की देखरेख करने वाली सहायिका को भी लेकर पहुंचे थे। और सामान्य निष्कर्ष यही रहा कि इस यात्रा से भारत– अमेरिकी दोस्ती में कोई कड़वाहट न आई या वैसा कुछ था तो वह खत्म हुआ लेकिन कुल मिलाकर अमेरिका लाभ की स्थिति में रहा। उसने मनमाने व्यावसायिक करार किए और भारत ने ज्यादा ना नुकर न करते हुए उन्हें स्वीकार किया। इसमें गैरजरूरी सैन्य सामग्री की खरीद का करार भी शामिल है और तेल समेत कुछ ऐसे सौदों का प्रसंग उठाना भी है जिनमें समझौता करना भारत को महंगा पड़ेगा। रूस या इराकी–कुवैती तेल हमें बहुत सस्ता और सुविधाजनक पड़ता है। जिस सवाल की चर्चा ट्रम्प–मोदी साझा प्रेस कांफ्रेंस में ज्यादा थी और जिस पर ट्रम्प ने भी मजा लिया वह हमारे उद्यमी गौतम अदानी के खिलाफ अमेरिका में चलाने वाले मामलों से जुड़ा था और जिस पर प्रधानमंत्री ने बहुत ही दार्शनिक किस्म का जवाब देकर बचते नजर आए। असल में इस दौर की वार्ता और समझौतों का बीज विषय यही लगता है और प्रधानमंत्री का वह जवाब मोदी सरकार के बचाव की मुद्रा को बताता है। बातचीत और समझौतों से पहले खबर आ गई कि अडानी के खिलाफ चल रहे मुकदमों में राष्ट्रपति दखल देकर हमारे व्यवसायी को राहत देंगे। अडानी पर गलत सूचनाएं देकर अमेरिकी निवेशकों से धोखा करने और आंध्र प्रदेश सरकार के अधिकारियों को घूस देने के मामले दर्ज हुए थे। उसमें एक हाहाकार पहले मच चुका था। और जब विदेश मंत्री जयशंकर ट्रम्प के शपथ ग्रहण समारोह में भागीदारी करने गए थे तब यह हुआ कि मामला स्थानीय अदालत से उठकर फेडरल कोर्ट में आ गया था। माना जाता है कि स्थानीय अदालतें ज्यादा स्वायत्त हैं और फेडरल कोर्ट और कानून में राष्ट्रपति का दखल संभव है। इस अमेरिकी यात्रा और इस तरह के फैसले करने कराने की तैयारी उसके पहले शुरू हो गई थी और अभी भी चल रही है। अभी भी इस्पात और अल्युमिनियम पर सीमा शुल्क पच्चीस फीसदी करने की माथापच्ची चल रही है क्योंकि ट्रम्प ऐसा चाहते हैं। ट्रम्प विश्व व्यापार संगठन के जरिए बनी वैश्विक व्यापार नियमों से खासे खफा है जबकि वाशिंगटन कंसनसेस से शुरुआत करके गैट और विश्व व्यापार संगठन बनवाने और उसकी मुश्किल शर्तें मनवाने में अमेरिका ने ही केन्द्रीय भूमिका निभाई थी। इस संगठन का सबसे बड़ा चरित्र व्यापार संबंधों को द्विपक्षीय की जगह बहुपक्षीय बनाना था और इन शर्तों को मनवाने के लिए सख्त निगरानी और दंड–पुरस्कार की व्यवस्था बनायी थी। आज ट्रम्प इस सब पर पानी फेरते हुए संरक्षणवाद और द्विपक्षीय व्यापार पर जोर दे रहे है। दुनिया इसी डर से कांप रही है क्योंकि एक अनुमान के अनुसार सब कुछ ट्रम्प के अनुसार चला तो अमेरिका की ही विश्व व्यापार में हिस्सेदारी 15 से घटकर 12 फीसदी रह जाएगी। दूसरी ओर चीन आर्थिक और व्यावसायिक मामलों में अमेरिका समेत सारे विकसित देशों के मंसूबों पर पानी फेर रहा है। अमेरिका समेत सभी देश अपने व्यवसायियों के हितों को बढ़ाते हैं, उनको संरक्षण देते हैं, पर सिर्फ एक समूह को अदालती कार्रवाई से बचाने के लिए भारत जिस तरह इस यात्रा में बेचैन दिखा है वैसा और कहीं नहीं दिखता।

क्या बांग्लादेश की अंतरिम सरकार भारत के प्रति अपना रुख नरम करेगी?

नित्य चक्रवर्ती

व्हाइट हाउस में अमेरिकी राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप के साथ प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी की बैठक के नतीजे का असर बांग्लादेश की अंतरिम सरकार पर पड़ सकता है, जिसका नेतृत्व डॉ. मोहम्मद यूनुस कर रहे हैं, जो 5 अगस्त को शेख हसीना सरकार के हटने के तीन दिन बाद 8 अगस्त, 2024 से सत्ता में हैं। बांग्लादेश में विकास की दिशा को प्रभावित करने में अमेरिकी सरकार हमेशा एक बड़ी भूमिका निभाती रही है। 2025 में भी, वैसा ही रहेगा, हालांकि प्रक्रिया समय–समय पर बदलती रहती है। संयुक्त प्रेस कॉन्फ्रेंस में जब राष्ट्रपति ट्रंप से बांग्लादेश के बारे में पूछा गया तो उन्होंने कहा कि भारतीय प्रधानमंत्री इस पर विचार कर रहे हैं और वे लंबे समय से ऐसा कर रहे हैं। ट्रंप ने प्रतिक्रिया के लिए मोदी की ओर देखा, लेकिन उन्होंने बांग्लादेश के मुद्दे को टाल दिया और रूस–यूक्रेन युद्ध पर भारत के रुख पर बात की। ट्रंप की टिप्पणी विस्तृत नहीं थी, यह थोड़ी उलझन भरी थी क्योंकि उन्होंने इस मुद्दे पर विचार करते समय श्सौ सालश् कहा था। बांग्लादेश का जन्म 1971 में हुआ था, यानी सिर्फ 53 साल पहले, तो सौ साल का सवाल कहां था? हालांकि, नरेंद्र मोदी को बांग्लादेश के साथ अपने हिसाब से रिश्ते सुधारने की योजना पर आगे बढ़ने के लिए अमेरिकी राष्ट्रपति से मंजूरी मिल गयी। यह भारत सरकार के लिए बड़ी राहत की बात थी, क्योंकि विदेश सचिव विक्रम मिस्री ने बाद में बताया कि बांग्लादेश पर ट्रंप की टिप्पणी से भारत को अपने पड़ोसी के साथ रिश्ते सुधारने में मदद मिलेगी। यह स्पष्ट नहीं है कि मोदी ने ट्रंप के साथ शेख हसीना के भारत से प्रत्यर्पण की यूनुस सरकार की मांग पर चर्चा की या नहीं, लेकिन संकेत मिले कि भारतीय पक्ष के पास दोनों पड़ोसियों के बीच संबंधों में मौजूदा गिरावट की जड़ में मौजूद जटिल मुद्दों से निपटने के लिए अपनी नीति बनाने के लिए पर्याप्त लचीलापन होगा। बांग्लादेश सरकार भी व्हाइट हाउस में ट्रंप–मोदी वार्ता पर पैनी नजर रख रही थी। शिखर सम्मेलन के कुछ ही मिनटों बाद, दुबई में एक सम्मेलन में भाग लेने गये डॉ. यूनुस ने एलन मस्क से बात की और वार्ता के बारे में चर्चा की। हालांकि मस्क की सटीक प्रतिक्रिया ज्ञात नहीं है, लेकिन डॉ. यूनुस ने स्टारलिंक के मालिक को बांग्लादेश में स्टारलिंक की सेवाएं स्थापित करने का अधिकार देने की पेशकश की। एलन मस्क पहले ही भूटान में स्टारलिंक सेवाएं स्थापित कर चुके हैं और बांग्लादेश के बारे में पहले भी बातचीत हुई थी। यह जानते हुए कि मस्क एक सख्त व्यवसायी हैं, बांग्लादेश की अंतरिम सरकार के मुख्य सलाहकार ने राजनीतिक मुद्दों पर बात करते हुए अपने व्यावसायिक प्रस्ताव से मस्क को प्रभावित करने की कोशिश की। उल्लेखनीय है कि नवंबर में राष्ट्रपति चुनाव में जीत के बाद डॉ. मोहम्मद यूनुस के दूतों ने ट्रंप से मुलाकात की कोशिश की थी, लेकिन वे सफल नहीं हुए। ट्रंप के अनुसार डॉ. यूनुस हिलेरी क्लिंटन के मित्र हैं। ट्रंप ने पहले भी उनके खिलाफ अपशब्दों का इस्तेमाल किया था। बांग्लादेश में डॉ. यूनुस का खेमा ट्रंप–मोदी वार्ता को लेकर चिंतित था। चूंकि ट्रंप से संपर्क नहीं हो पाया, इसलिए डॉ. यूनुस ने एलन मस्क से संपर्क करना शुरू कर दिया, जिन्हें वे पहले से जानते हैं। गुरुवार को टेलीफोन पर बातचीत ट्रंप शासन में दूसरे नंबर के नेता को खुश रखने की इसी प्रक्रिया का हिस्सा थी। बांग्लादेश एक और घटनाक्रम से चिंतित है। वाशिंगटन दौरे के दौरान भारतीय प्रधानमंत्री ने पहली बार राष्ट्रीय खुफिया निदेशक (डीएनआई) तुलसी गबार्ड से मुलाकात की। गबार्ड एक प्रसिद्ध अमेरिकी हिंदू हैं और प्रधानमंत्री की करीबी मित्र हैं। वे सीआईए ऑपरेशन की भी प्रभारी हैं। प्रेस कॉन्फ्रेंस में राष्ट्रपति ट्रंप से पिछले साल अगस्त में शेख हसीना को सत्ता से हटाने में श्डीप स्टेटश् की भूमिका के बारे में पूछा गया। ट्रंप ने कॉन्फ्रेंस में इस बात से पूरी तरह इनकार किया क्योंकि वे किसी अन्य देश में सत्ता परिवर्तन में सीआईए जैसी अमेरिकी एजेंसियों की किसी भी तरह की संलिप्तता की आधिकारिक पुष्टि नहीं कर सके। लेकिन सच्चाई यह है कि सत्ता संभालने के तुरंत बाद ही डीप स्टेट से जुड़े कुछ अधिकारियों को बाहर कर दिया गया। तुलसी गबार्ड अब सीआईए के संचालन पर आगे की निगरानी कर रही हैं ताकि इसे ट्रंप की सोच के अनुरूप नया स्वरूप दिया जा सके। अब यह स्पष्ट है कि बांग्लादेश की अंतरिम सरकार भू–राजनीतिक दृष्टि से अपनी रणनीति को नये सिरे से तैयार कर सकती है, जिसमें दोनों पड़ोसियों के बीच मौजूदा तनाव की लड़ाई में भारत को अंतरिम अमेरिकी समर्थन को ध्यान में रखा जायेगा। बांग्लादेश की अंतरिम सरकार ने पहले ही पाकिस्तान और चीन के साथ अपने संबंधों का विस्तार किया है, लेकिन सरकार ट्रंप के अधीन अमेरिकी प्रशासन को परेशान करने के बारे में नहीं सोच सकती। सरकार चटगांव के पास देश के क्षेत्रीय जल में अमेरिकी बेस की पेशकश करने जैसा कोई रास्ता निकाल सकती है, जो शेख हसीना सरकार और पेंटागन के बीच विवाद का विषय था। अगर अमेरिका इसे बांग्लादेश के साथ किसी भावी सौदे के हिस्से के रूप में चाहता है, तो यह बांग्लादेश सरकार के लिए ट्रम्प प्रशासन की प्राथमिकताओं से भारत को अलग करने के प्रयासों में से एक विकल्प हो सकता है। आखिरकार, कोई स्थायी मित्र या शत्रु नहीं होते बल्कि सिर्फ स्थायी हित होते हैं। इसे कट्टर कारोबारी डोनाल्ड ट्रंप से बेहतर कोई नहीं जानता। बांग्लादेश के लिए अगला विकल्प पाकिस्तान और चीन के साथ संबंधों को और बेहतर बनाना है। लेकिन पाकिस्तान शायद अंतिम कदम न उठाये क्योंकि मौजूदा पाकिस्तानी सरकार ट्रंप–मोदी के संयुक्त बयान से नाखुश हो सकती है, खास तौर पर आतंकवाद से संबंधित बयान से। हालांकि, पाकिस्तान की मौजूदा सरकार या कोई भी दूसरी सरकार अमेरिका के खिलाफ कोई खुला रुख नहीं अपना सकती, जिसके साथ पाकिस्तान कई क्षेत्रों में जुड़ा हुआ है। चीन भी शायद ऐसी किसी धुरी में शामिल होने में दिलचस्पी न ले, अगर प्रस्तावित हो, क्योंकि चीन की मुख्य प्राथमिकता अब ट्रंप के साथ लेन–देन के आधार पर समझौता करना है। ट्रंप मानते हैं कि सिर्फ चीन और रूस ही उनके साथ बराबरी के स्तर पर बात करने की शक्ति रखते हैं। वे इसके लिए तैयार हैं। चीन–बांग्लादेश की राजनीति में खुले तौर पर हस्तक्षेप करने के बजाय व्यापार, खास तौर पर बुनियादी ढांचा परियोजनाओं में अपना प्रभाव बढ़ाने में खुश है। ऐसी परिस्थितियों में बांग्लादेश के लिए सबसे अच्छा विकल्प यही है कि वह शेख हसीना के भारत से प्रत्यर्पण की मांग को तत्काल मुद्दा न मानकर भारत के साथ संवाद के द्वार खोले। यदि बांग्लादेश मौजूदा सहयोगी परियोजनाओं में तेजी लाने और पिछले वर्षों में प्रस्तावित नये सहयोग पर चर्चा शुरू करने जैसे शेष मुद्दों पर आगे बढ़ता है, तो द्विपक्षीय संबंधों को बढ़ावा मिल सकता है, जिससे दोनों देशों के बीच तनाव के अभूतपूर्व स्तर को कम किया जा सकता है। अंतरिम सरकार वर्ष के अंत तक आम चुनाव कराने की अपनी योजना पर आगे बढ़ सकती है, जिसमें सभी राजनीतिक दलों की भागीदारी हो, जिसमें अवामी लीग के सदस्य भी शामिल हैं, जिनके खिलाफ कोई आपराधिक आरोप नहीं हैं।यूनुस शासन के लिए बांग्लादेश पर ट्रंप–मोदी वार्ता के मद्देनजर भारत को खुश करने की कोई भी नयी पहल मुश्किल हो गयी है, क्योंकि नयी सरकार के समर्थक, खासकर ट्रंप, भारत से शेख हसीना के प्रत्यर्पण के मुद्दे पर भारत के साथ किसी भी समझौते के लिए तैयार नहीं हैं। भारत फिलहाल इस पर सहमत होने के मूड में नहीं है। प्रधानमंत्री मोदी ने अमेरिकी राष्ट्रपति को भारतीय दृष्टिकोण का उल्लेख करते हुए कारण बताये होंगे। तो क्या यूनुस सरकार हसीना के प्रत्यर्पण की मांग को दरकिनार करते हुए भारत के साथ बातचीत करने की हिम्मत दिखा सकती है, जो अब हसीना विरोधी गठबंधन के लिए एक भावनात्मक मुद्दा बन गया है? मोदी की ट्रंप के साथ बातचीत के बाद, क्या अमेरिका डॉ. यूनुस पर बिना किसी पूर्व शर्त के प्रत्यर्पण मुद्दे पर भारत के साथ बातचीत के लिए सहमत होने का दबाव बनायेगा? यह एक बड़ा सवाल है। बांग्लादेश की अंतरिम सरकार का भविष्य तत्काल यहीं दांव पर लगा है। छात्र संगठन ने पहले ही यूनुस सरकार को नोटिस दे दिया है कि प्रत्यर्पण मुद्दे को प्रभावी ढंग से आगे बढ़ाने में बहुत देरी हो चुकी है। यूनुस सरकार आधिकारिक तौर पर इस सप्ताह दिल्ली को चेतावनी के तौर पर एक और रिमाइंडर भेजने वाली है। अंतरिम सरकार के घटकों को आपस में इस नाजुक मुद्दे को सुलझाना होगा और किसी निर्णय पर पहुंचना होगा। इस पर भारत–बांग्लादेश संबंधों का अगला चरण निर्भर करता है।

तारा सुतारिया के साथ टाइम पास करते थे अदार जैन, अलेखा आडवाणी से शादी के बीच एक्ट्रेस पर किया कपूर खानदान के लड़ने से भद्दा कमेंट ?

रणबीर कपूर और करीना कपूर खान की बुआ रीमा जैन के छोटे बेटे अदार जैन अपनी लॉन्ग टाइम गर्लफ्रेंड अलेखा आडवाणी से शादी करने जा रहे हैं। दोनों गुरुवार को हिंदू रीति–रिवाजों से शादी करने जा रहे हैं। उनकी शादी से पहले की रस्में धूमधाम से चल रही हैं। आपको बता दें कि कल शाम यानी 19 फरवरी को अदार जैन और अलेखा आडवाणी ने सितारों से सजी मेहंदी सेरेमनी का आयोजन किया। इस मौके पर करीना–करिश्मा से लेकर रणबीर–आलिया तक पूरा कपूर परिवार और दोस्त नजर आए। हालांकि, मेहंदी सेरेमनी से सामने आए एक इनसाइड वीडियो में अदार अलेखा के साथ अपनी लव स्टोरी के बारे में बात करते नजर आए। उन्होंने माना कि अलेखा के सामने अपनी फीलिंग्स जाहिर करने से पहले वह श्टाइम पासश रिलेशनशिप में थे। इससे लोगों को गुस्सा आ गया क्योंकि अलेखा से पहले वह बॉलीवुड एक्ट्रेस तारा सुतारिया को डेट कर रहे थे।

आदर जैन ने क्या कहा?

आदर जैन का एक वीडियो सोशल मीडिया पर खूब वायरल हो रहा है जिसमें वे अलेखा के प्रति अपने प्यार का इजहार करते नजर आ रहे हैं। जैन ने वीडियो में कहा मैंने हमेशा उससे प्यार किया है और मैं हमेशा उसके साथ रहना चाहता था। इसलिए उसने मुझे टाइम–पास के जरिए 20 साल के इस लंबे सफर पर भेजा। यह इंतजार सार्थक था क्योंकि मुझे इस खूबसूरत, सुंदर महिला से शादी करने का मौका मिला जो एक सपने की तरह दिखती थी। मैं तुमसे प्यार करता हूं, और यह इंतजार सार्थक था। यह रहस्य है, मैंने हमेशा उससे प्यार किया है... मैंने अपने जीवन के चार साल टाइम पास में बिताए हैं। लेकिन अब मैं तुम्हारे साथ हूं, बेबी।

सोशल मीडिया यूजर्स ने की प्रतिक्रिया

आदर के भाषण पर इंटरनेट पर यूजर्स की प्रतिक्रियाओं की भरमार है। जहां कई लोगों ने उनके बयान को बेहद ईमानदार पाया, वहीं कुछ लोग इसे टाइम पास कहने से हैरान थे और अन्य यूजर्स को बॉलीवुड अभिनेता के लिए बुरा लगा। एक यूजर ने लिखा, "इसका मतलब था कि तारा सुतारिया एक टाइम पास थीं वाह।" दूसरे ने लिखा, मुझे उनके लिए दुख हो रहा है। कितनी असंवेदनशील टिप्पणी है।

अदार जैन और अलेखा आडवाणी की पहले भी हो चुकी है शादी

आपको बता दें कि इससे पहले अदार जैन और अलेखा आडवाणी ने 12 जनवरी 2025 को गोवा में शादी की थी। अलेखा और अदार की शादी की कई तस्वीरें और वीडियो भी सोशल मीडिया पर वायरल हुए थे। अदार ने शादी के लिए ग्रे सूट चुना था, वहीं अलेखा आडवाणी व्हाइट ऑफ शोल्डर गाउन में बेहद खूबसूरत दिख रही थीं और उन्होंने मैचिंग नेकलेस और ईयररिंग्स से अपने लुक को पूरा किया था।

अदार जैन और अलेखा आडवाणी ने साल 2023 में एक–दूसरे को प्रपोज किया

अदार जैन और अलेखा आडवाणी ने नवंबर 2023 में अपने रिश्ते को सार्वजनिक किया था, जब उन्होंने अपनी एक तस्वीर शेयर की थी और उन्हें अपने जीवन की रोशनी बताया था। इससे पहले वे करीना और सैफ अली खान द्वारा आयोजित दिवाली समारोह में एक साथ देखे गए थे। अलेखा ने 2023 में करीना की पार्टी में अदार के साथ अपनी पहली सार्वजनिक उपस्थिति दर्ज कराई। अनजान लोगों के लिए बता दें कि अलेखा वेल की संस्थापक हैं जो वेलनेस इवेंट, वर्कशॉप और इंटरेक्टिव सेशन आयोजित करती हैं।

अदार और तारा सुतारिया का रिश्ता

अलेखा आडवाणी से पहले अदार जैन तारा सुतारिया को डेट कर रहे थे। वे 2018 में करण जौहर की दिवाली पार्टी में मिले थे और 2020 में उन्होंने इंस्टाग्राम पर अपने रिश्ते को आधिकारिक बना दिया। तारा को अक्सर कपूर परिवार के साथ लंच करते देखा जाता था और कथित तौर पर दोनों के बीच रिश्ता बहुत मजबूत था और वे सगाई करने की योजना बना रहे थे लेकिन किसी कारण से उनका रिश्ता लंबे समय तक नहीं चला। इसके बाद अदार ने अलेखा को डेट करना शुरू कर दिया, जो तारा की भी करीबी दोस्त थीं।

पत्नी इशिता की सेकेंड प्रेग्नेंसी पर वत्सल सेठ ने शेयर किया अपना पहला रिएक्शन, कहा–यह उन दिनों में से एक था जब वायु..

फिल्म और टीवी कपल वत्सल शेठ और इशिता दत्ता की खुशी इस समय सातवें आसमान पर हैं, क्योंकि यह जोड़ा दूसरी बार पेरेंट्स बनने जा रहा है। पहले से यह कपल एक बेटे के माता–पिता है और दोनों 2025 में अपने दूसरे बच्चे का स्वागत करने के लिए पूरी तरह तैयार हैं। इसी बीच फादर–टू–बी वत्सल ने रिएक्शन बताया, जब उन्हें पहली बार अपनी पत्नी के दूसरी बार प्रेग्नेंट होने की खबर मिली थी। एक इंटरव्यू के दौरान वत्सल सेठ ने खुलासा किया कि यह एक आशीर्वाद था और इशिता की प्रेग्नेंसी एक सुखद आश्चर्य के रूप में आई। जब वत्सल को गर्भावस्था के बारे में पता चला, तो वे अपने चिड़चिड़े बेटे वायु को संभाल रहे थे। वत्सल को शुरू में नहीं पता था कि एक पिता के रूप में कैसे प्रतिक्रिया करनी है। यह उनके लिए बड़ी और खुशी की खबर थी। उनके शब्दों में– इशिता हमारे कमरे में आई और मुझे यह खबर सुनाई। मुझे याद है, यह उन दिनों में से एक था जब वायु बहुत चिड़चिड़ा था। हमने दुनिया को यह बताने से पहले कि हमारे परिवार का सबसे नया सदस्य जुलाई में आने वाला है, इस खबर को समझने के लिए समय लिया। वत्सल शेठ ने बताया कि वह और इशिता दूसरी गर्भावस्था को कैसे संभालेंगे। उन्होंने कहा, दूसरे बच्चे का आगमन उनके और इशिता के बेटे वायु के लिए एक बड़ा आश्चर्य होगा। एक पिता के रूप में मैं अपने बेटे और अपनी पत्नी की देखभाल करूंगा, जिन्हें खास ध्यान देने की आवश्यकता है। हम दोनों ने फैसला किया है कि एक बार बच्चा आ जाने के बाद, मैं वायु की देखभाल करूंगा, और इशिता हमारे नए दूत के साथ रहेगी। वत्सल ने उसी इंटरव्यू में यह भी बताया कि जब से उन्होंने अपने और इशिता के माता–पिता को यह खुशखबरी सुनाई है, तब से वे सातवें आसमान पर हैं। इशिता दत्ता ने वैलेंटाइन डे के मौके पर दो रोमांटिक तस्वीरें शेयर कीं, जिसमें वह वत्सल के प्यार में खोई हुई दिख रही थीं। उनके कैप्शन में लिखा–तुम्हें जानने के 9 साल, तुम्हें प्यार करने के 8 साल, हमने जो 1 छोटा सा प्यार बनाया... और जल्द ही, हमारे दिल फिर से बड़े हो जाएंगे। एक वैलेंटाइन पोस्ट तो बनता है।

हम भाषा या संस्कृति के तौर पर अलग हो सकते हैं, मगर धर्म के रूप में एक हैं : पवन कल्याण

सनातन आस्था के परम पवित्र पर्वों में सर्वोपरि महाकुंभ–2025 आस्था, भक्ति, शांति, मुक्ति, पुण्य प्राप्ति के साथ ही कई मायनों में विशिष्ट महाआयोजन बन गया है। यही कारण है कि प्रतिदिन दिग्गजों का प्रयागराज मेला क्षेत्र में तांता लगा ही रहता है, जो त्रिवेणी संगम में स्नान कर और तीर्थराज प्रयागराज की सकारात्मकता को आत्मसात कर अभिभूत हो जाते हैं। ऐसी ही अनुभूति मंगलवार को साउथ फिल्म इंडस्ट्री के पावर स्टार के रूप में प्रख्यात प्रसिद्ध एक्टर, जनसेना पार्टी के सुप्रीमो तथा आंध्र प्रदेश के डिप्टी सीएम पवन कल्याण को भी हुई, जिन्होंने त्रिवेणी संगम में स्नान कर खुद का जीवन धन्य माना। महाकुंभ को मानवीय एकता का महान अवसर करार देते हुए पवन कल्याण ने कहा कि हम भाषा या संस्कृति के तौर पर अलग हो सकते हैं, मगर हमारा धर्म एक है। हम सनातनी हैं और हर सनातनी के लिए महाकुंभ सबसे बड़ा क्षण होता है। पवन कल्याण ने महाकुंभ में योगी सरकार की व्यवस्थाओं की तारीफ करते हुए सीएम योगी को शुभकामनाएं भी दी। महाकुंभ के अवसर पर त्रिवेणी संगम में स्नान कर अभिभूत दिखे पवन कल्याण ने कहा कि मैंने 16–17 वर्ष की उम्र में एक बार एक योगी की आत्मकथा पढ़ी थी, तभी से कुंभ को लेकर मेरे मन में एक सहज आकर्षण था। वैसे तो मैं यहां पहले भी आया हूं, मगर महाकुंभ के अवसर पर स्नान करना पिछले कई दशकों से मेरी सबसे बड़ी इच्छा रही, जो आज जाकर पूरी हुई। उन्होंने कहा कि महाकुंभ एक महाआयोजन है, कल्पना कीजिए देश की आधी से ज्यादा हिंदू आबादी यहां आकर स्नान कर रही है। यह सनातनी आस्था का विश्वास ही है जो कि शताब्दियों से इस महाआयोजन के रूप में अनवरत जारी है। हमारी विरासत की तथा सनातन धर्म की महानता है कि इस प्रकार का वृहद और शांतिपूर्ण आयोजन जनविश्वास के आधार पर इतनी भव्यता और दिव्यता के साथ होता रहा है। महाकुंभ के महात्म के बारे में पवन कल्याण ने कहा कि यह सनातन धर्म के सबसे बड़े क्षणों में शुमार है। यह एक ऐसा क्षण है, जब ऋषि, मुनि, योगी, सिद्धों समेत सभी सकारात्मक शक्तियों का समागम होता है। यह वह क्षण है, जब आप दिव्य अनुभूतियों को अनुभव कर सकते हैं। निश्चित तौर पर, यह जीवनपर्यंत स्मृतियों में कैद हो जाने वाला क्षण है। धर्म की विभिन्न परंपराओं, शैलियों, पद्धतियों और मान्यताओं को मानने वालों का मिलन होता है, जो अपने आप में एक सुखद अनुभूति है। उन्होंने कहा कि भारत की आत्मा एक ही है और महाकुंभ एक ऐसा क्षण होता है, जब आप यहां आकर भारत की आत्मा को अनुभव कर सकते हैं। महाकुंभ में व्यापक स्तर पर हुई व्यवस्थाओं को लेकर उन्होंने सीएम योगी और स्थानीय प्रशासन की सराहना करते हुए शुभकामनाएं भी दी।

मुगल वर्क लहंगा और क्रिस्टल से सजा ब्लाउज.. दुल्हनिया बनीं उर्फी जावेद,हार से लेकर माथा पट्टी पहन लगीं शाही राजघराने की महारानी

बिग बॉस ओटीटी फेम उर्फी जावेद अपने यूनिक फैशन सेंस को लेकर चर्चा में रहती हैं। उर्फी तार, बोरी, फूल या लाइट से कपड़े बना कर सबको हैरान कर देती है। इसी बीच उर्फी ने अपना ऐसा लुक दिखाया जिसे देख हर किसी के होश उड़ गए। इस लुक में वह किसी राजघराने की राजकुमारी से कम नहीं लगी। सामने आई तस्वीरों में उर्फी दुल्हनिया बनी नजर आ रही हैं। गुलाबी लहंगे के साथ शाही गहने पहने उर्फी इतनी खूबसूरत लगीं कि उनके सामने बॉलीवुड की अच्छी– अच्छी हीरोइन के ब्राइडल लुक भी फीके पड़ जाए। ये ब्राइडल लुक उनके नूर को भी चार चांद लगा गया। लुक की बात करें तो उर्फी ने डिजाइनर रिम्पल और हरप्रीत का ब्राइडल लहंगा विएर किया है। गुलाबी रंग वाले इस लहंगे को ट्रेडिशनल के साथ कंटेंपरेरी टच दिया। लहंगे को मोटिफ्स के साथ ही मुगल इनलेय वर्क के साथ सजाया गया है, यानी कि इस पर स्टोन वर्क टेक्नीक का इस्तेमाल हुआ है।इसे पच्चिकरी या पर्चिनकारी के नाम से भी जाना जाता है। इसके साथ सुनहरा क्रिस्टल से सजा ब्लाउज पूरे लुक में और भी ग्रेस ला रहा है। उर्फी के दो दुपट्टे पेयर किए हैं। साइड दुपट्टे को उन्होंने ओपन करके टकइन किया तो दूसरे को सिर पर ओढ़ा जिसका हाथी की डिजाइन वाला बॉर्डर और उसमें लगी लटकन कमाल की लगी। उनके हार से लेकर माथा पट्टी, हाथफूल, नथ और झुमकों तक सबकुछ परफेक्ट लगा।

सिकंदर का नया पोस्टर आउट, स्वैग में नजर आए सलमान खान

ईद पर सिनेमाघरों में आ रही सलमान खान स्टारर फिल्म सिकंदर का नया पोस्टर निर्माताओं ने जारी कर दिया है। इसमें अभिनेता लाल और हरे रंग की लाइटिंग के बीच स्वैग में नजर आए। नए पोस्टर में सलमान के नए लुक की झलक देखने को मिल रही है। क्लोजअप पोस्टर में वह एंग्री अंदाज में दिखाई दिए। पोस्टर को इंस्टाग्राम पर शेयर करते हुए उन्होंने कैप्शन में लिखा, "सिकंदर ईद पर आ रहा है।" 'सिकंदर' के साथ सलमान खान एक साल से अधिक समय के बाद बड़े पर्दे पर वापसी करने जा रहे हैं। इससे पहले जानकारी आई थी कि 'सिकंदर' के साथ अक्षय कुमार की कॉमेडी फिल्म 'हाउसफुल 5' का ट्रेलर भी रिलीज होगा। निर्माता सलमान खान के 'सिकंदर' का टीजर बीते साल दिसंबर में जारी कर चुके हैं, जिसमें अभिनेता धमाकेदार एक्शन से भरे अंदाज में नजर आए। लगभग दो मिनट के टीजर की शुरुआत में सलमान बंदूकों से भरे एक हॉल में प्रवेश करते नजर आते हैं। हॉल में हल्की रोशनी सुपरस्टार की पीठ पर पड़ती है। इसके बाद कवच पहने कुछ हमलावर उनके पास आते हैं और हमला करने की सोचते हैं। इस पर सलमान कहते हैं, "सुना है बहुत सारे लोग मेरे पीछे पड़े हैं। बस मेरे मुड़ने की देर है।" "सिकंदर' का निर्देशन ए.आर. मुरुगादॉस ने किया है। मुरुगादॉस 'गजनी' जैसी फिल्म का निर्माण कर चुके हैं। 'सिकंदर' में सलमान खान के साथ रश्मिका मंदाना लीड रोल में हैं।'सिकंदर' में सलमान खान और साजिद नाडियाडवाला 2014 की ब्लॉकबस्टर 'किक' के बाद एक बार फिर से साथ काम कर रहे हैं। निर्माताओं ने हाल ही में जानकारी दी थी कि 'सिकंदर' के साथ 'हाउसफुल 5' का ट्रेलर भी जारी होगा। 'सिकंदर' और 'हाउसफुल 5' दोनों ही फिल्मों का निर्माण साजिद नाडियाडवाला ने किया है। सिकंदर इस साल ईद पर रिलीज होगी।

जब बात शरीर के संपूर्ण स्वास्थ्य की आती है तो उसमें हड्डियों का मजबूत होना भी बहुत जरुरी माना जाता है। जैसे–जैसे उम्र बढ़ती है इस बात को लेकर और भी एक्टिव होने की जरुरत होती है। हड्डियों को मजबूत बनाने के लिए एक बैलेंस्ड डाइट लेना जरुरी है जिसमें कैल्शियम, विटामिन डी, मैग्नीशियम और हड्डियों को मजबूत बनाने वाले कुछ अन्य पोषक तत्व शामिल हों। इससे हड्डियों के नुकसान को रोकने और ऑस्टियोपोरोसिस का जोखिम कम करने में मदद मिलती है। तो चलिए आज अपने इस आर्टिकल के जरिए आपको कुछ ऐसे फूड्स बताते हैं जो आपकी हड्डियां मजबूत बनाने में मदद करेंगे। आइए जानते हैं।

मेवे और सीड्स

बादाम, तिल के बीज, चिया के बीज और अन्य नट्स जैसी चीजें आप अपनी डाइट में शामिल कर सकते हैं। इनमें कैल्शियम, मैग्नीशियम जैसे कई सारे आवश्यक पोषक तत्व मौजूद होते हैं। एक शोध में यह बात साबित हुई है कि नियमित रुप से नट्स और बीजों का सेवन करने से हड्डियों को पोषक तत्व मिलता है जिससे हड्डियां मजबूत होती हैं और फ्रेक्चर का खतरा भी कम होता है।

हरी पत्तेदार सब्जियां

केला, पालक, कोलार्ड ग्रीन्स और ब्रोकली जैसी हरी सब्जियों में भी कैल्शियम, विटामिन के और मैग्नीशियम भरपूर मात्रा में होता है।आपको बता दें कि विटामिन ज्ञ हड्डियों के स्वास्थ्य में महत्वपूर्ण भूमिका निभाता है ऐसे में इसका सेवन करने से फ्रेक्चर का जोखिम कम करने में मदद मिलती है।

फोर्टिफाइड फूड्स

संतरे का रस, अनाज और टोफू जैसे कई सारे खाद्य पदार्थ कैल्शियम और विटामिन–डी से भरपूर माने जाते हैं। इनका सेवन करने से हड्डियां स्वस्थ और मजबूत बनाए रखने में मदद मिलती है। विटामिन–डी और कैल्शियम वाले पदार्थों का सेवन करने से बच्चों की हड्डियों के स्वास्थ्य में सुधार होता है।

डेयरी प्रोडक्ट्स

दूध, पनीर और दही कैल्शियम के लिए सबसे अच्छा स्रोत माना जाता है। इसमें मौजूद खनिज मजबूत हड्डियों के निर्माण और देखभाल के लिए आवश्यक है। शोध के अनुसार नियमित रुप से डेयरी उत्पादों का सेवन करने से फ्रेक्चर और ऑस्टियोपोरोसिस के खतरे को कम किया जा सकता है। वहीं अधिक सैचुरेटेड फैट के सेवन से बचने के लिए कम फैट वाले दूध को चुन सकते हैं।

बीन्स और फलियां

बीन्स और फलियां जैसे छोले, दाल और बीन्स में भी कैल्शियम, मैग्नीशियम और अन्य पोषक तत्व भरपूर मात्रा में पाए जाते हैं।यह सारे पोषक तत्व हड्डियों को मजबूत बनाने में मदद करते हैं। एक शोध ा की मानें तो बीन्स और फलियों का नियमितसेवन करने से हड्डियों के घनत्व में सुधार होता है और फ्रेक्चर का खतरा कम हो सकता है।

फैटी मछली

सैल्मन, टूना और सार्डिन जैसी फैटी मछलियां भी विटामिन–डी का बहुत अच्छा स्त्रोत मानी जाती हैं। यह शरीर में कैल्शियम इकट्ठा करके हड्डियों का निर्माण करने में मदद करती हैं। नियमित तौर पर फैटी फिश का सेवन करने से ऑस्टियोपोरोसिस और फ्रेक्चर का खतरा कम हो सकता है।

अंडे

अंडे भी विटामिन डी का अच्छा स्रोत माना जाता है। यह हड्डियों के स्वास्थ्य के लिए बेहद जरुरी माने जाते हैं। इसके अलावा अंडे प्रोटीन का भी बहुत अच्छा स्त्रोत माना जाता है। हड्डियों को मजबूत करने से और उन्हें मजबूत बनाए रखने के लिए अंडा जरुरी है।

डॉर्क चॉकलेट ऐसी चॉकलेट है जिसमें बाकी चॉकलेट्स के मुकाबले कोको ज्यादा होता है, इसके अलावा इसमें चीनी कम होती है। यह आमतौर पर मिल्क चॉकलेट की तुलना में ज्यादा फायदेमंद और कम मीठी होतत है। स्वास्थ्य के हिसाब से भी यह बेहद फायदेमंद मानी जाती है। इसका सेवन सीमित मात्रा में ही करना सही माना जाता है। शोध में किए गए अध्ययनों से पता चलता है कि इस चॉकलेट में कुछ ऐसे गुण पाए जाते हैं जो मस्तिष्क की कार्यप्रणाली को सुधारते हैं। इसके अलावा भी इस चॉकलेट को खाने के कई फायदे हैं। आज चॉकलेट डे मनाया जा रहा है ऐसे में इस आर्टिकल के जरिए आपको आज डॉर्क चॉकलेट खाने के फायदे बताते हैं।

डिप्रेशन होगा दूर

आज के समय में लोग किसी न किसी तनाव से गुजर रहे हैं। लगातार तनाव में रहने के कारण डिप्रेशन भी हो सकता है। डिप्रेशन में मूड में बदलाव, उदास रहना, गुस्सा आना और चिड़चिड़ापन जैसे लक्षण दिखते हैं। ऐसे में डिप्रेशन दूर करने के लिए डॉर्क चॉकलेट बेहद फायदेमंद हो सकती है। एक शोध के अनुसार, तीन दिन तक जिन लोगों ने डॉर्क चॉकलेट का सेवन किया उनमें डिप्रेशन के लक्षण काफी हद तक कम हुए हैं।

कोलेस्ट्रॉल करेगी कंट्रोल

बढ़े हुए कोलेस्ट्रॉल को कंट्रोल करने के लिए भी डॉर्क चॉकलेट बेहद लाभकारी होती है। एनसीबीआई वेबसाइट के मुताबिक, अलग–अलग शोधों से यह पता चलता है कि लो फैट डाइट के साथ प्लांट स्टेरोल्स और कोको फ्लैवेनॉल्स से भरपूर डॉर्क चॉकलेट का इस्तेमाल करने से कोलेस्ट्रॉल में कमी हो सकती है। साथ ही इसके प्रयोग से हृदय स्वास्थ्य और ब्लड प्रेशर में भी सुधार होता है।

हार्ट के लिए फायदेमंद

संतुलित मात्रा में डॉर्क चॉकलेट खाना भी हार्ट के लिए बेहद फायदेमंद हो सकता है। डॉर्क चॉकलेट में एपिप्टिन, कैटेचिन और प्रोसीएनिडिन्स जैसे फ्लेवनॉल पाए जाते हैं इनमें एंटीहाइपरटेन्सिव, एंटीप्लेटलेट, एंटीऑक्सीडेंट्स और एंटीइंफ्लेमेटरी प्रभाव होते हैं जो दिल को स्वस्थ रखने में मदद करते हैं।

हाई ब्लड प्रेशर रहेगा कंट्रोल

यदि आपको बीपी की समस्या है तो भी डॉर्क चॉकलेट बेहद फायदेमंद हो सकता है। एनसीबीआई के अनुसार, यह बात सामने आई है कि डॉर्क चॉकलेट में एंटीहाइपरटेन्सिव प्रभाव पाया जाता है जिसके कारण से सीमित मात्रा में इसका सेवन करने से हाई बीपी में कमी हो सकती है।

सर्दी–जुकाम से बचाव

बदलते मौसम में जुकाम बहुत जल्दी होता है ऐसे में इस समस्या से बचने के लिए भी डॉर्क चॉकलेट बेहद लाभकारी मानी जाती है। इसमें थियोब्रामोइन नाम का रासायनिक पदार्थ पाया जाता है। यह पदार्थ श्वसन तंत्र से जुड़ी परेशानियों से निजात दिलवाने में मदद करता हैं। श्वसन तंत्र से जुड़ी परेशानियों की बात करें तो उनमें सर्दी–जुकाम भी शामिल है।

सर्दियों में रोजाना मखाना का सेवन शरीर को कई तरह से फायदा पहुंचाता है। लेकिन इसका कब, कितना और कैसे सेवन करना चाहिए, इसके बारे में जानकारी होनी चाहिए। बता दें कि यह एक हेल्दी स्नैक्स है।

सर्दियों में भूख लगने पर लोग जंक फूड और फास्ट फूड का सेवन करते हैं। लेकिन इसकी जगह पर आप मखाने का सेवन कर सकते हैं। बता दें कि मखाने में एंटी–ऑक्सीडेंट भरपूर मात्रा में पाया जाता है। साथ ही यह एक हेल्दी स्नैक्स है। इसलिए रोजाना इसका सेवन स्वास्थ्य के लिए भी काफी फायदेमंद होता है। लेकिन इसका कब, कितना और कैसे सेवन करना चाहिए, इसके बारे में जानकारी होनी चाहिए। ऐसे में इस आर्टिकल के जरिए हम आपको बताने जा रहे हैं कि सर्दियों में किस तरह से मखाना खाना चाहिए और यह किस तरह से हमें फायदा पहुंचाता है।

सर्दियों में ऐसे करें मखाना का सेवन

मखाने के तासीर गर्म होती है। इसलिए सर्दियों में इसका सेवन फायदेमंद माना जाता है। लेकिन इसकी मात्रा का ध्यान रखना बेहद जरूरी है। सर्दियों के मौसम में प्रतिदिन 30 ग्राम मखाने का सेवन करने से हड्डियां मजबूत रहती हैं। इसके सेवन से आपको सर्दी–जुकाम और इंफेक्शन नहीं होता है। सर्दियों में न्यूट्रिशनल वैल्यू बढ़ाने के लिए मखाना घी में भूनकर खाना अधिक लाभकारी होता है।

दूध के साथ मखाना

बहुत सारे लोग व्रत में दूध और मखाने का सेवन करते हैं। दूध और मखाना दोनों का कॉम्बिनेशन शरीर को ताकत देने का काम करता है। मखाने में प्रोटीन, मैग्नीशियम, कैल्शियम, आयरन, फैट और फॉस्फोरस जैसे पोषक तत्व पाए जाते हैं। वहीं दूध में प्रोटीन, विटामिन डी और कैल्शियम जैसे पोषक तत्व पाए जाते हैं। इसके सेवन से लंबे समय तक पेट भरा रहता है। यह कैल्शियम का बेहतरीन स्त्रोत है। यह किडनी और दिन दोनों के लिए फायदेमंद होता है।

व्रत में मखाना का सेवन

कई लोग व्रत में मखाने का सेवन करते हैं। बता दें कि मखाने खाने से कई फायदे होते हैं। इसमें फाइबर भरपूर मात्रा में पाया जाता है। जिससे कि आपका पेट लंबे समय तक भरा रहता है। साथ ही इसके सेवन से शरीर को एनर्जी प्राप्त होती है और कमजोरी नहीं लगती है। मखाना खाने से कब्ज और पाचन संबंधी समस्याएं भी दूर होती हैं।

पाचन होगा दुरुस्त

मखाना के सेवन से न सिर्फ सेहत बल्कि पाचन भी सही रहता है। मखाने के सेवन से शरीर में मौजूद विषैले तत्व बाहर निकल जाते हैं। रोजाना मखाने का सेवन करने से शरीर से विषाक्त तत्व बाहर निकल जाते हैं। साथ ही इससे किडनी स्वस्थ रहती है।

अच्छी और गहरी नींद

आपको बता दें कि मखाने के सेवन से सेहत और स्वाद दोनों मिलता है। जिन लोगों को नींद न आने की समस्या होती है और रात में सोने से पहले दूध में मखाने भिगोकर उनका सेवन करना चाहिए। इसके अलावा आप डेट्स और मखाना को पानी में भिगोकर भी इसका सेवन करते हैं। रोजाना इसको खाने से आपको कुछ ही दिनों में साफ फर्क नजर आने लगेगा।

वेट लॉस में सहायक

वेट लॉस करने के लिए मखाने का सेवन करना चाहिए। मखाने में भरपूर मात्रा में फाइबर पाया जाता है। इससे आपका पेट लंबे समय तक भरा हुआ महसूस होता है। इससे आप ओवरइटिंग से बत जाते हैं। जिससे आप आसानी से वेट लॉस कर सकते हैं।

ग्लूटेन फ्री है मखाना

कई लोगों को ग्लूटेन से एलर्जी होती है। जिन लोगों को ग्लूटेन से एलर्जी होती हैं, उनके लिए गेंहू के आटे की रोटियां फायदेमंद नहीं होती है। ऐसे में इन लोगों को ऊर्जा और ताकत पाने के लिए रोजाना मखाने का सेवन करना चाहिए।

मखाना खाने के फायदे

मखाने के सेवन से मेटाबॉलिज्म अच्छा रहता है और हड्डियों में तकलीफ नहीं होती है। वहीं एनीमिया रोगियों के लिए भी मखाने का सेवन फायदेमंद होता है।

महिलाओं को मखाना का सेवन जरूर करना चाहिए। स्किन के लिए यह फायदेमंद होता है, इसके सेवन से त्वचा लंबे समय तक जवान और ग्लोइंग बनी रहती है।

मखाने में ग्लाइसेमिल इंडेक्स अच्छा होता है। ऐसे में इसको डायबिटीज के रोगी भी खा सकते हैं।

यह शरीर से टॉक्सिन को बाहर निकालने में मदद करता है, इंफ्लेमेशन को कम करके के साथ ही इसमें मौजूद एंटी बैक्टीरियल प्रॉपर्टीज इंफेक्शन से बचाव करता है।

इसमें सैचुरेटेड फैट और सोडियम कम पाया जाता है। मखाने में भरपूर मात्रा में फाइबर पाया जाता है। यह कैंसर, डायबिटीज और हार्ट डिजीज के पेशेंट के लिए भी फायदेमंद है।

संक्षिप्त

मुख्य आर्थिक सलाहकार वी अनंत नागेश्वरन का कार्यकाल मार्च 2027 तक बढ़ा, सरकार ने दी मंजूरी

नई दिल्ली, एजेसी। सरकार ने गुरुवार को मुख्य आर्थिक सलाहकार (सीईए) वी. अनंथा नागेश्वरन का कार्यकाल दो साल के लिए बढ़ाकर मार्च 2027 तक कर दिया। सूत्रों ने बताया कि प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी की अध्यक्षता वाली मंत्रिमंडल की नियुक्ति समिति ने अनुबंध के आधार पर नागेश्वरन के कार्यकाल को 31 मार्च 2027 तक के लिए मंजूरी दे दी है। नागेश्वरन ने 28 जनवरी, 2022 को सरकार द्वारा सीईए का पदभार ग्रहण किया था। सीईए का कार्यालय विभिन्न आर्थिक नीतियों पर सरकार को सलाह देने और केंद्रीय बजट से एक दिन पहले संसद में पेश किए जाने वाले आर्थिक सर्वेक्षण का मसौदा तैयार करता है। क्रेडिट सुइस ग्रुप एजी और जूलियस बेयर ग्रुप के पूर्व कार्यकारी और शिक्षाविद नागेश्वरन ने मुख्य आर्थिक सलाहकार के रूप में केवी सुब्रमण्यन का स्थान लिया था। नागेश्वरन के कार्यकाल का विस्तार आर्थिक सर्वेक्षण 2024–25 के कुछ सप्ताह बाद आया ही है। इस सर्वेक्षण में एशिया की तीसरी सबसे बड़ी अर्थव्यवस्था में नरमी के संकेत के बीच अगले वित्त वर्ष के लिए 6.3–6.8 प्रतिशत की वृद्धि का अनुमान लगाया गया है। सरकार के अग्रिम अनुमान के अनुसार, चालू वित्त वर्ष में अर्थव्यवस्था की वृद्धि दर 6.4 प्रतिशत रहने की उम्मीद है। सीईए का पदभार संभालने से पहले नागेश्वरन ने एक लेखक, शिक्षक और सलाहकार के रूप में काम किया है। वह 2019 से 2021 तक प्रधानमंत्री की आर्थिक सलाहकार परिषद के अंशकालिक सदस्य भी रहे हैं। इसके अलावा, उन्होंने भारत और सिंगापुर में कई बिजनेस स्कूलों और प्रबंधन संस्थानों में पढ़ाया है और व्यापक रूप से लेख प्रकाशित किए हैं। नागेश्वरन के पास भारतीय प्रबंधन संस्थान, अहमदाबाद से प्रबंधन में स्नातकोत्तर डिप्लोमा (एमबीए) की डिग्री है। उन्होंने विनिमय दरों के अनुभवजन्य व्यवहार पर अपने काम के लिए 1994 में मैसाचुसेट्स विश्वविद्यालय से वित्त में डॉक्टरेट की डिग्री प्राप्त की। वह आईएफएमआर ग्रेजुएट स्कूल ऑफ बिजनेस के डीन और क्रेआ विश्वविद्यालय में अर्थशास्त्र के प्रतिष्ठित विजिटिंग प्रोफेसर थे। नागेश्वरन ने सार्वजनिक नीति में अनुसंधान और शिक्षा के लिए एक स्वतंत्र केंद्र, तक्षशिला संस्थान की सह–स्थापना में मदद की तथा 2001 में आविष्कार समूह के पहले प्रभाव निवेश कोष को शुरू करने में मदद की।

पंजाब नेशनल बैंक ने खुदरा ऋणों की ब्याज दरें 25 आधार अंक घटाई, रेपो रेट में कटौती के बाद लिया फैसला

नई दिल्ली, एजेंसी। सार्वजनिक क्षेत्र के पंजाब नेशनल बैंक ने खुदरा ऋणों की ब्याज दरें 25 आधार अंकों (बीपीएस) तक घटाने का एलान किया है। इन ऋणों में आवासीय और ऑटो लोन शामिल हैं। पीएनबी ने यह फैसला आरबीआई की मौद्रिक नीति समिति की ओर से रेपो रेट में 25 बीपीएस की कटौती के बाद लिया है।

होम, कार, शिक्षा और व्यक्तिगत ऋणों की ब्याज दरों में बदलाव

पीएनबी ने अपने एक बयान में कहा, षजिन उत्पादों के ब्याज दरों में रियायत दी गई है, उनमें होम लोन, कार लोन, शिक्षा और व्यक्तिगत ऋण शामिल हैं, ताकि ग्राहकों को वित्तपोषण

के विविधतापूर्ण विकल्प मिल सके। भारतीय रिजर्व बैंक ने पांच वर्षों के अंतराल के बाद इसी महीने 07 फरवरी को रेपो रेट में 25 आधार अंकों की कटौती कर इसे 6.50 प्रतिशत से घटाकर 6.25 प्रतिशत कर दिया है।

होम लोन की दर घटाकर 8.15% की गई

ब्याज दरों में कटौती के बाद, पीएनबी ने विभिन्न योजनाओं के तहत होम लोन की दर को संशोधित कर 8.15 प्रतिशत कर दिया है। बैंक ने कहा कि ग्राहक 31 मार्च, 2025 तक अग्रिम प्रसंस्करण शुल्क और दस्तावेज़ीकरण शुल्क की पूरी छूट का लाभ उठा सकते हैं। इसमें कहा गया है कि पारंपरिक आवास ऋण योजना में ब्याज दर 8.15 प्रतिशत प्रति वर्ष से शुरू होती है तथा मासिक किस्त 744 रुपये प्रति लाख है।

ऑटो लोन की ब्याज दर 8.50% से होगी शुरू

ऑटो लोन के बारे में कहा गया है कि नई और पुरानी दोनों कारों के वित्तपोषण के लिए ब्याज दर 8.50 प्रतिशत प्रति वर्ष से शुरू होती है और ईएमआई 1,240 रुपये प्रति लाख जितनी कम है। सतत गतिशीलता को बढ़ावा देने के लिए, पीएनबी 8.50 प्रतिशत प्रति वर्ष से शुरू होने वाली ब्याज दर में 0.05 प्रतिशत की रियायत और 1,240 रुपये प्रति लाख की शुरुआती ईएमआई की पेशकश कर रहा है। इसमें कहा गया है कि ग्राहक 120 महीने तक की लंबी पुनर्भुगतान अवधि का लाभ उठा सकते हैं और एक्स–शोरूम कीमत का 100 प्रतिशत वित्तपोषण का आनंद ले सकते हैं। शिक्षा ऋण के मामले में न्यूनतम कार्ड दर घटाकर 7.85 प्रतिशत प्रति वर्ष कर दी गई है।

ग्राहक डिजिटल प्रक्रिया के जरिए ले सकेंगे 20 लाख रुपये तक का पर्सनल लोन

ग्राहक निर्बाध डिजिटल प्रक्रिया के जरिए 20 लाख रुपये तक का व्यक्तिगत ऋण प्राप्त कर सकते हैं, जिससे शाखा में जाने या कागजी कार्रवाई की आवश्यकता समाप्त हो जाएगी। संशोधित दर 11.25 प्रतिशत से शुरू होगी। पीएनबी ने कहा कि नई दरें 10 फरवरी से प्रभावी होंगी। इस महीने की शुरुआत में भारतीय स्टेट बैंक (एसबीआई) ने आरबीआई की नीतिगत दर कटौती के अनुरूप आवास सहित खुदरा ऋणों पर ब्याज दर में 25 आधार अंकों की कटौती की थी।

जीत की हैट्रिक लगाने के इरादे से उतरेगी आरसीबी, हरमनप्रीत की कप्तानी वाली मुंबई इंडियंस से होगा सामना

बंगलुरू, एजेंसी। स्मृति मंधाना की अगुआई वाली रॉयल चौलेंजर्स बेंगलुरु (आरसीबी) की टीम शुक्रवार को अपने घरेलू मैदान पर महिला प्रीमियर लीग (डब्ल्यूपीएल) के मुकाबले में मुंबई इंडियंस से भिड़ेगी। गत चौंपियन आरसीबी ने अब तक इस सत्र में अच्छा प्रदर्शन किया है और अपने दोनों मुकाबले जीते हैं। आरसीबी की नजरें अब मुंबई इंडियंस के खिलाफ जीत की हैट्रिक लगाने पर टिकी होगी।

आरसीबी ने सत्र की शानदार की है शुरुआत

आरसीबी ने डब्ल्यूपीएल के मौजूदा सत्र के पहले मैच में गुजरात जॉएंट्स के खिलाफ 200 से अधिक रन का लक्ष्य हासिल किया था और इसके बाद दिल्ली कैपिटल्स को भी आसानी से हराया था। स्मृति मंधाना की अगुआई वाली टीम के चार अंक हैं और वह अंक तालिका में शीर्ष पर काबिज है। टूर्नामेंट में किसी भी अन्य टीम ने अभी तक अपने सभी मैच नहीं जीते हैं।

मंधाना पर होगी नजरें

आरसीबी की टीम को चिन्नास्वामी स्टेडियम में दर्शकों का अपार समर्थन मिलना तय है। इस मैच में सभी की निगाहें मंधाना पर टिकी रहेंगी जिन्होंने दिल्ली के खिलाफ पिछले मैच में 47 गेंद पर 81 रन की तूफानी पारी खेली थी। भारतीय टीम की उपकप्तान मंधाना इस समय बेहतरीन फॉर्म में चल रही हैं और मुंबई के गेंदबाजों को उन पर अंकुश लगाने के लिए अतिरिक्त प्रयास करने होंगे।

आरसीबी की तरफ से मंधाना के अलावा एलिसे पेरी, राघवी बिष्ट, ऋचा घोष और युवा कनिका आहूजा ने भी अच्छा प्रदर्शन किया है। आरसीबी हालांकि अपने गेंदबाजी विभाग को लेकर थोड़ा चिंतित होगा क्योंकि उसके गेंदबाज अभी तक अपेक्षित प्रदर्शन नहीं कर पाए हैं। मुंबई की टीम बेहद मजबूत है और उसे हराना आसान नहीं होगा। पिछले मैच में दिल्ली

कैपिटल्स के खिलाफ नैट साइवर–ब्रंट की बेजोड़ बल्लेबाजी (59 गेंदों में 80 रन) और हरमनप्रीत के साथ उनकी 73 रन की साझेदारी के बावजूद टीम को हार का सामना करना पड़ा था और अब हरमनप्रीत कौर की अगुम्ई वाली टीम दमदार वापसी करने के लिए प्रतिबद्ध होगी।

दोनों टीमें इस प्रकार हैं–

मुंबई इंडियंस : हरमनप्रीत कौर (कप्तान), यास्तिका भाटिया (विकेटकीपर), नादिन डी क्लार्क, संस्कृति गुप्ता, साइका इशाक, शबनीम इस्माइल, जिन्तिमनी कलिता, जी कमलिनी, अमनदीप कौर, अमनजोत कौर, सत्यमूर्ति कीर्तन, अमेलिया केर, अक्षिता माहेश्वरी, हेले मैथ्यूज, सजीवन सजना, नट साइवर–ब्रंट, पारुनिका सिसौदिया, क्लो ट्राईटन।

रॉयल चौलेंजर्स बेंगलुरुः स्मृति मंधाना (कप्तान), कनिका आहूजा, एकता बिष्ट, चार्ली डीन, किम गार्थ, ऋचा घोष, हीदर ग्राहम, वीजे जोशिता, सब्बिनेनी मेघना, नुजहत परवीन, जाग्रवी पवार, एलिसे पेरी, राघवी बिस्ट, स्नेह राणा, प्रेमा रावत, रेणुका सिंह, जॉर्जिया वेयरहम, डैनी ब्याट–हॉज।

क्या चौंपियंस ट्रॉफी से बाहर हुए फखर जमां ? महामुकाबले के लिए उनके बिना दुबई रवाना हुई पाकिस्तान टीम

दुबई, एजेंसी। पाकिस्तान क्रिकेट टीम कट्टर प्रतिद्वंद्वी भारत के खिलाफ होने वाले चौंपियंस ट्रॉफी मुकाबले के लिए सलामी बल्लेबाज फखर जमां के बिना दुबई के लिए रवाना हो चुकी है। फखर को 19 फरवरी को कराची में न्यूजीलैंड के खिलाफ उद्घाटन मैच के दौरान चोट लग गई थी। फखर का चोटिल होना बड़ा झटका है, क्योंकि सैम अयूब पहले ही चोट की वजह से टूर्नामेंट से बाहर हैं। फखर ने काफी समय बाद पाकिस्तान टीम में वापसी की थी, लेकिन चोट की वजह से एक मैच के बाद ही उन पर टूर्नामेंट से बाहर होने का खतरा मंडरा रहा है।

फखर की मांसपेशियों में खिंचाव

न्यूजीलैंड की पारी में फील्डिंग करते समय फखर की मांसपेशियों में खिंचाव आ गया था और वह पारी के अधिकांश समय मैदान से दूर रहे थे। 34 वर्षीय फखर को मुकाबले के दौरान पहले ओवर में सीमा रेखा तक गेंद का पीछा करते समय चोट लग गई थी। वह दूसरी पारी में बल्लेबाजी की शुरुआत करने में सक्षम नहीं थे। इसकी वजह से पाकिस्तान टीम मैनेजमेंट को सऊद शकील को स्टॉप–गैप ओपनर के रूप में भेजने के लिए मजबूर होना पड़ा। फखर ने नंबर चार पर बल्लेबाजी करते हुए 41 गेंदों में 24 रन बनाए, लेकिन अपनी पारी के दौरान वह संघर्ष करते नजर आए।

न्यूजीलैंड ने पाकिस्तान को 60 रन से हराया

पाकिस्तान न्यूजीलैंड के खिलाफ ओपनिंग मैच में 60 रनों से हार गया। पाकिस्तान क्रिकेट बोर्ड (पीसीबी) ने कहा कि अंतरराष्ट्रीय क्रिकेट परिषद (आईसीसी) फखर जमां को लेकर कुछ घोषणा करेगी। फखर ने भारत में 2023 विश्व कप में खेलने के बाद चौंपियंस ट्रॉफी के लिए पाकिस्तान टीम में वापसी की थी। इस सलामी बल्लेबाज को घुटने की समस्या का लंबा इतिहास रहा है। अगर फखर अनफिट होते हैं तो पाकिस्तान सलामी बल्लेबाज इमाम उल हक को टीम में शामिल कर सकता है।

विल यंग और टॉम लाथम ने जड़े शतक

पहले मैच की बात करें तो सलामी बल्लेबाज विल यंग और टॉम लाथम के शतकों की मदद से न्यूजीलैंड न पाकिस्तान को 60 रन से हरा दिया। यंग ने 113 गेंद में 107 रन बनाए, जबकि लैथम 118 रन पर नाबाद रहे जिसके दम पर न्यूजीलैंड ने 50 ओवर में पांच विकेट पर 320 रन बनाए। ग्लेन फिलिप्स ने कराची में खेले गए मैच में 39 गेंद में 61 रन बनाए।

बाबर और रिजवान रहे फ्लॉप

पाकिस्तान के शीर्षक्रम के बल्लेबाज बाबर आजम (90 गेंद में 64 रन), मोहम्मद रिजवान (14 गेंद में तीन रन) और सउद शकील (19 गेंद में छह रन) प्रभावित नहीं कर सके। मेजबान टीम 47.2 ओवर में 260 रन पर आउट हो गई। दो सप्ताह से कम समय में न्यूजीलैंड की पाकिस्तान पर यह तीसरी जीत है। कीवियों ने हाल ही में त्रिकोणीय सीरीज में पाकिस्तान को दो बार हराया था।

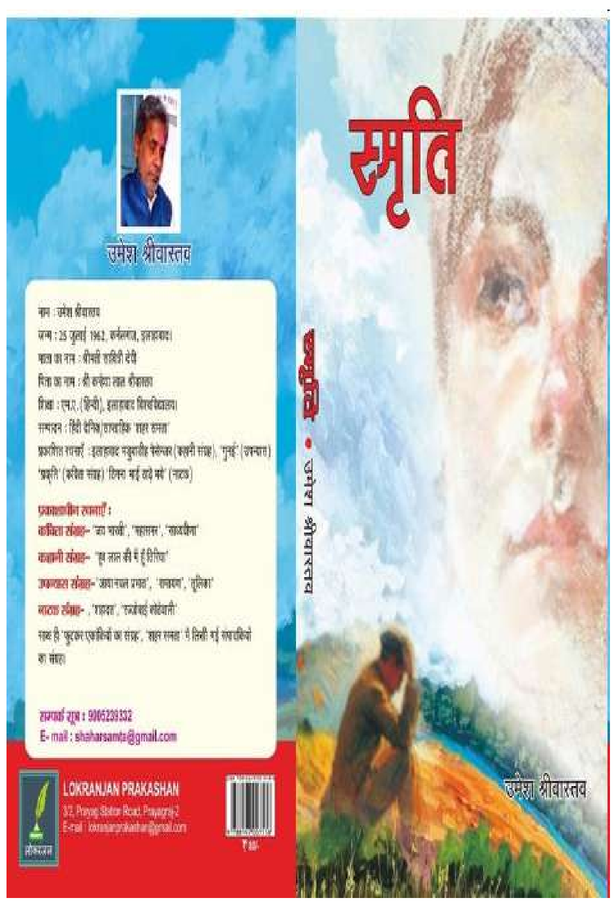

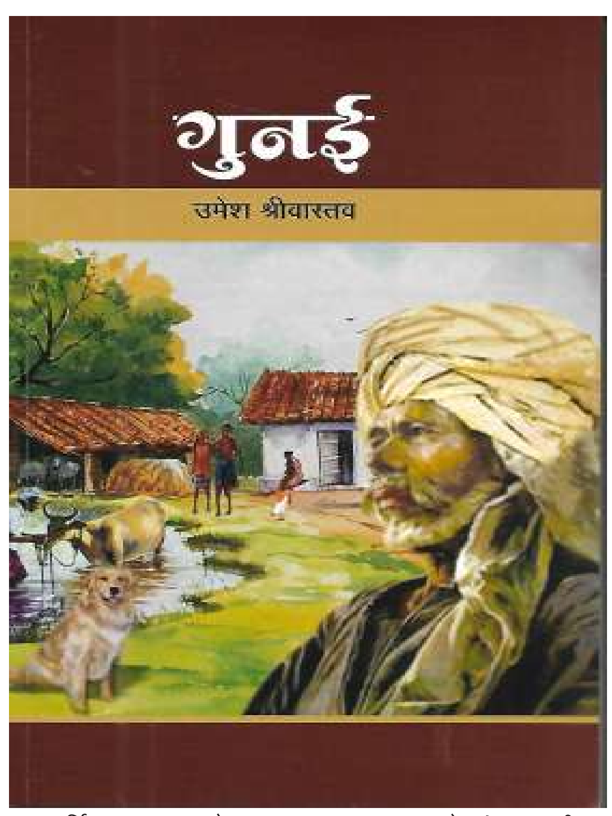

चर्चित कथाकार और शहर समता अखबार के संपादक श्री उमेश श्रीवास्तव जी का ग्रामीण पृष्ठभूमि पर लिखा बहु प्रतीक्षित

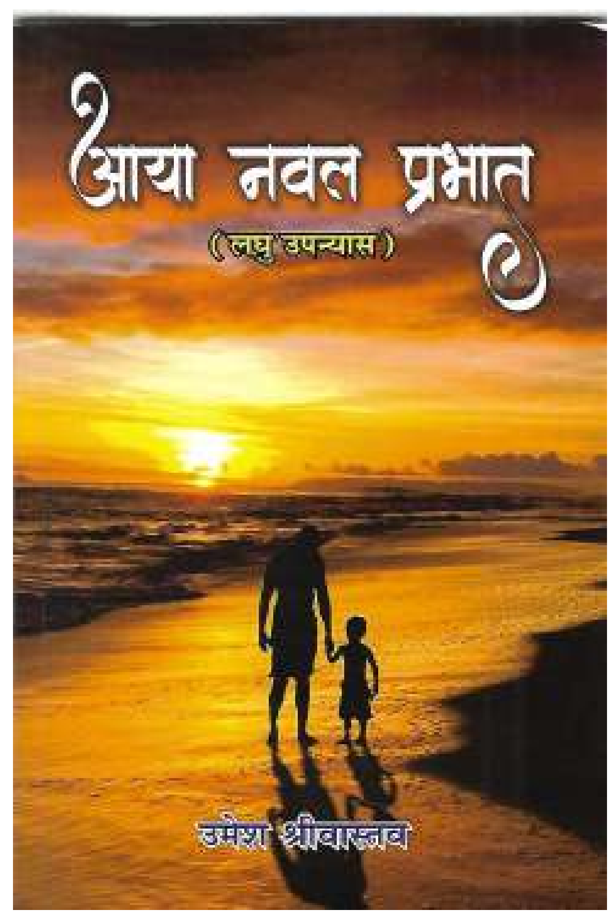

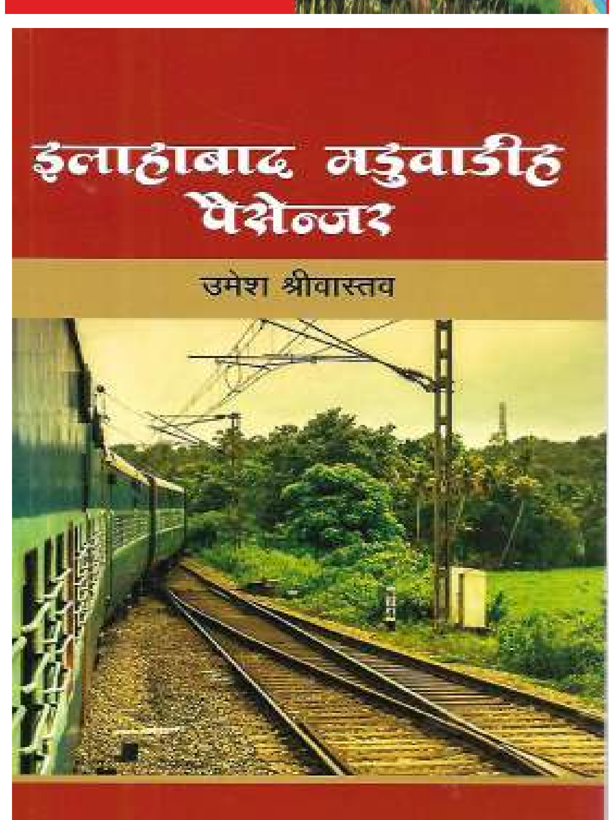

समूह के लोकप्रिय साहित्यकार श्री उमेश श्रीवास्तव जी का कहानी संग्रह इलाहाबाद मडुवाडीह पैसेंजर प्रकाशित हो गया है। उमेश श्रीवास्तव जी को बहुत बधाई एवम शुभकामना।

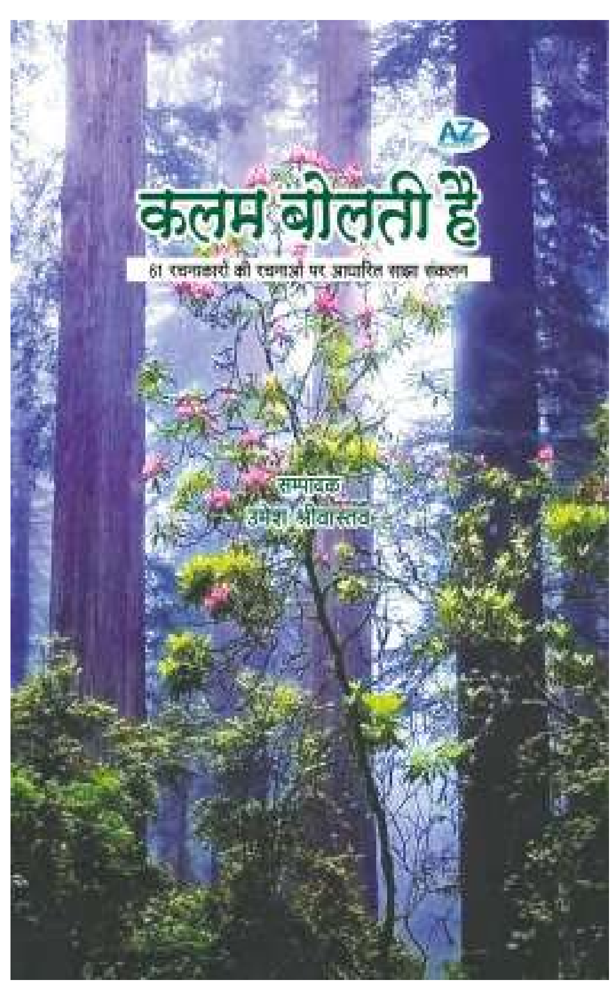

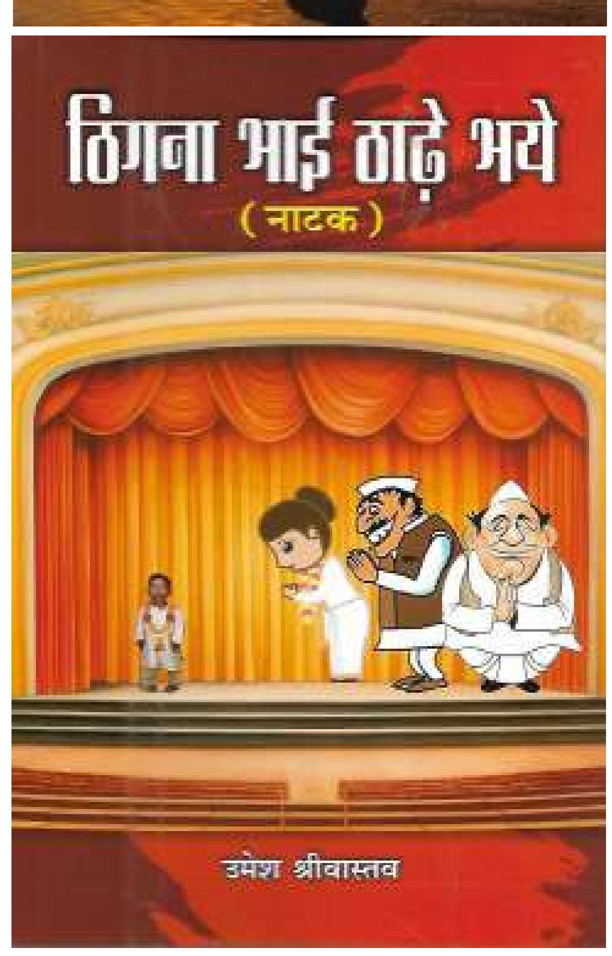

ठिगना भाई ठाढ़े भये (Thigna Bhai Thade Bhaye)

संक्षिप्त

ट्रंप से मिलना चाहता हूं, अमेरिकी राष्ट्रपति संग मुलाकात को लेकर आया पुतिन का बयान

रूसी राष्ट्रपति व्लादिमीर पुतिन ने कहा कि वह अपने अमेरिकी समकक्ष डोनाल्ड ट्रंप से मिलना चाहेंगे। उन्होंने यह भी रेखांकित किया कि बैठक को तैयार करने की आवश्यकता है ताकि यह श्उत्पादकश् हो। टेलीविजन पर प्रसारित टिप्पणियों में, पुतिन ने कहा कि उन्हें ट्रम्प से मिलकर खुशी होगी। उन्होंने कहा कि मैं एक बैठक करना चाहूंगा, लेकिन इसके लिए तैयारी करनी होगी ताकि यह परिणाम ला सके। उन्होंने

अमेरिका और रूस के प्रतिनिधिमंडलों के बीच बातचीत की भी सराहना की और कहा कि दोनों देश टूटे हुए राजनयिक संबंधों को बहाल करने पर सहमत हुए हैं। रूसी राष्ट्रपति ने यह भी कहा कि ट्रम्प ने स्वीकार किया कि यूक्रेन में शांति प्रक्रिया में उनकी शुरुआत की अपेक्षा से अधिक समय लग सकता है। जैसे ही रूस और अमेरिका के बीच वार्ता समाप्त हुई, पुतिन के विदेश मामलों के सलाहकार, यूरी उशाकोव, जिन्होंने रूसी विदेश मंत्री सर्गेई लावरोव के साथ रियाद में वार्ता में भाग लिया, ने रूस के चौनल वन को बताया कि पुतिन और अमेरिकी राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रम्प के बीच बैठक के लिए अभी तक कोई तारीख निर्धारित नहीं की गई है। उन्होंने यह भी कहा कि अगले सप्ताह बैठक होने की संभावना नहीं है। ट्रम्प ने पहले तीन साल की अमेरिकी नीति को खारिज कर दिया और घोषणा की कि वह यूक्रेन में लगभग तीन साल के युद्ध में शांति समझौते पर बातचीत करने के लिए जल्द ही रूसी राष्ट्रपति व्लादिमीर पुतिन से मिलेंगे। यूक्रेन के राष्ट्रपति वलोडिमिर ज़ेलेंस्की ने कहा कि वह यूक्रेन के बारे में ऐसी किसी भी बातचीत को स्वीकार नहीं करेंगे जिसमें उनके देश को वार्ता में शामिल नहीं किया जाएगा, रूस ने ट्रम्प की स्थिति की सराहना की। ट्रम्प के रुख में बदलाव से पुतिन को एकमात्र खिलाड़ी के रूप में पहचाना जाने लगा, जो लड़ाई को समाप्त करने में मायने रखता है और किसी भी शांति वार्ता में ज़ेलेंस्की, साथ ही यूरोपीय सरकारों को किनारे करने के लिए तैयार दिख रहा था।

एरिजोना में दो छोटे विमानों में टक्कर होने से दो व्यक्तियों की मौतः अधिकारी

अमेरिका के दक्षिणी एरिजोना में दो छोटे विमानों के बीच हुई टक्कर में कम से कम दो व्यक्तियों की मौत हो गई। अधिकारियों ने यह जानकारी दी। दुर्घटना की सूचना मिलने के बाद दो व्यक्तियों की मौत होने की पुष्टि की है। अधिकारियों ने बताया कि टक्सन के बाहरी इलाके में एक छोटे हवाई अड्डे पर यह हादसा हुआ और राष्ट्रीय परिवहन सुरक्षा बोर्ड मामले की जांच कर रहा है। मराना पुलिस विभाग ने दुर्घटना की सूचना मिलने के बाद दो व्यक्तियों की मौत होने की पुष्टि की है।

पनामा के होटल में फंसे 300 लोगों में सबसे ज्यादा भारत-नेपाल जैसे देशों के; खिड़की से मांग रहे मदद

पनामा सिटी। अमेरिका से निर्वासन और घर न पहुंच पाने की अनिश्चितता के साथ–साथ तमाम दिक्कतों से जूझ रहे 300 लोग पनामा के एक होटल में फंसे हुए हैं। इन 300 लोगों में सबसे ज्यादा भारतीय और नेपाल, श्रीलंका, पाकिस्तान, अफगानिस्तान और चीन नागरिक हैं। ये सभी वहां तब तक रहेंगे, जब तक उनकी वापसी नहीं हो जाती, इसके साथ ही उन्हें होटल से बाहर जाने की अनुमति नहीं मिली है। अधिकारियों के अनुसार, 40ः से ज्यादा प्रवासी अपने देश लौटने के लिए तैयार नहीं हैं। होटल में बंद सभी प्रवासियों की हालत काफी दयनीय है, इसका पता इससे चलता है कि होटल में फंसे लोग खिड़कियों पर संदेश लिखकर मदद की गुहार लगा रहे हैं। पनामा के होटल से कई तस्वीरें सामने आई है, जिसमें लोग हाथों में सादे कागज पर– मदद करें और हम अपने देश में सुरक्षित नहीं हैं, लिख कर खड़े हैं।

इन 10 एशियाई देशों के हैं 300 प्रवासी

जानकारी के मुताबिक, सभी प्रवासी 10 एशियाई देशों से आए हैं, जिसमें ईरान, भारत, नेपाल, श्रीलंका, पाकिस्तान, अफगानिस्तान और चीन के लोग शामिल हैं। अमेरिका के लिए इन देशों में सीधा निर्वासन करना मुश्किल है, इसलिए पनामा को एक ठहराव के रूप में इस्तेमाल किया जा रहा है।

इधर पनामा के सुरक्षा मंत्री फ्रैंक एब्रेगो ने दावा किया है कि, सभी प्रवासियों चिकित्सा सुविधा और खाना मिल रहा है। यह पूरी व्यवस्था अमेरिका और पनामा के बीच हुए एक समझौते के तहत हो रही है। अमेरिका इस पूरे ऑपरेशन का खर्च उठा रहा है। वहीं पनामा के राष्ट्रपति जोसे राउल मुलिनो, जो ट्रंप की पनामा नहर पर नियंत्रण को लेकर दी गई धमकियों के कारण राजनीतिक दबाव में हैं, ने पिछले गुरुवार को पहली डिपोर्टेशन फ्लाइट के आने की घोषणा की थी।

रिपोर्ट के मुताबिक, अब तक 300 लोगों में से 171 प्रवासी अंतरराष्ट्रीय संगठनों की मदद से अपने–अपने देशों को लौटने के लिए तैयार हो गए हैं। संयुक्त राष्ट्र शरणार्थी एजेंसी (यूएनएचआरसी) और अंतरराष्ट्रीय प्रवासन संगठन (आईओएम) बाकी 128 लोगों के लिए विकल्प की तलाश कर रहे हैं, ताकि वे किसी तीसरे देश में बस सकें। वहीं जो प्रवासी अपने देश वापस जाने के लिए तैयार नहीं हैं, उन्हें पनामा के दारिएन प्रांत के एक विशेष केंद्र में रखा जाएगा।

आवश्यकता है

उत्तर प्रदेश राज्य के प्रयागराज जिले से प्रकाशित समाचार पत्र को समस्त जनपदों में एवम तहसील व ब्लॉक/शहर में ब्यूरो प्रमुख, चीफ रिपोर्टर, संवाददाता, प्रतिनिधि मण्डल की अवश्यकता है जिन्हे आकर्षण वेतन और भत्ते आदि सुविधा उपलब्ध कराई जाएगी।

सम्पर्क सूत्र
शहर समता हिन्दी दैनिक/साप्ताहिक समाचार पत्र
मोबाईल नम्बर.9190052 39332
.919450482227

हमास ने चार इस्राइली बंधकों के शव सौंपे, इनमें मां और उसके दो छोटे बच्चों के शव भी शामिल

तेल अवीव, एजेंसी। हमास ने गुरुवार को चार इस्राइली बंधकों के शव इस्राइली सेना को सौंप दिए। इनमें एक मां और उसके दो छोटे बच्चों के शव भी शामिल हैं। इनमें से एक बच्चा जब 7 अक्तूबर 2023 के दिन अगवा किया गया था, उस समय वह सिर्फ नौ महीने का था और वह बंधकों में सबसे छोटा था। जिन बंधकों के शव इस्राइल को सौंपे गए, उनमें शिरी बिबास, उनके दो बच्चे एरियल बिबास और कफिर बिबास और ओडेड लिफशिट्ज के शव शामिल हैं।

हमास का दावा– इस्राइली हवाई हमले में गई तीन बंधकों की जान

हमास ने बीते साल नवंबर में ही दावा कर दिया था कि शिरी बिबास और उनके दोनों बच्चे इस्राइली हवाई हमले में मारे गए। हालांकि इस्राइल ने हमास के इस दावे को नहीं माना था। हमास के आतंकियों ने 7 अक्तूबर के हमले के दौरान पूरे बिबास परिवार को अगवा किया था। शिरी बिबास के पति यार्डेन बिबास को बीते दिनों ही हमास ने रिहा किया है। बिबास परिवार के सदस्यों के शव वापस आने पर इस्राइली पीएम बेंजामिन नेतन्याहू ने कहा कि इससे पूरे इस्राइल का दिल टूट गया है। शनिवार को हमास द्वारा छह इस्राइली बंधकों को भी रिहा किया जाएगा। इसके बदले में इस्राइल भी सैकड़ों फलस्तीनी कैदियों को रिहा करेगा। ओडेड लिफशिट्ज, जिनका शव भी आज आईडीएफ को सौंपा गया, उन्हें और उनकी पत्नी को 7 अक्तूबर 2023 को किबुत्ज नीर ओज से अगवा किया गया था। जब ओडेड को अगवा किया गया था, उस वक्त उनकी उम्र 83 साल थी। उल्लेखनीय है कि ओडेड पत्रकार थे और वे फलस्तीनियों को भी अधिकार देने और शांति के मुखर पक्षधर थे।

दूसरे चरण के युद्धविराम समझौते पर अटक सकती है बात

पहले चरण के युद्धविराम समझौते के तहत 24 जीवित बंधक इस्राइल लौटे हैं। हालांकि बिबास परिवार के शव मिलने से इस्राइल में शोक की लहर और गुस्सा है। आशंका है कि इससे दूसरे चरण के युद्धविराम समझौते के लिए खतरा पैदा हो गया है क्योंकि दोनों पक्षों में दूसरे चरण के समझौते के लिए अभी बातचीत चल रही है और इस्राइल ने संकेत दिए हैं कि वह युद्ध फिर से शुरू कर सकता है। हमास ने 7 अक्तूबर 2023 के दिन करीब 251 इस्राइली नागरिकों को बंधक बनाया था, जिनमें से 30 के करीब बच्चे थे। हमास के हमले में इस्राइल के 1200 लोग मारे गए थे। पहले चरण के युद्धविराम के बाद भी हमास की कैद में करीब 60 बंधक रह जाएंगे, जिनमें से माना जा रहा है कि करीब आधे लोग मर चुके हैं।

जन्मजात नागरिकता पर रोक वाले ट्रंप के आदेश पर ब्रेक, अमेरिकी कोर्ट ने क्या बड़ा फैसला दे दिया ?

अमेरिका की एक अपील अदालत ने राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रम्प को आव्रजन और अवैध सीमा पारगमन पर रिपब्लिकन की कठोर कार्रवाई के हिस्से के रूप में राष्ट्रव्यापी स्वतरू जन्मसिद्ध नागरिकता में कटौती करने से रोकने वाले आदेश को बरकरार रखा। सैन फ्रांसिस्को स्थित 9वें यू.एस. सर्किट कोर्ट ऑफ अपील्स ने सिएटल में एक संघीय न्यायाधीश द्वारा राष्ट्रपति के कार्यकारी आदेश को अवरुद्ध करने वाले राष्ट्रव्यापी निषेधाज्ञा पर रोक लगाने के लिए एक आपातकालीन आदेश के लिए ट्रम्प प्रशासन के अनुरोध को खारिज कर दिया। यह पहली बार था कि किसी अपीलीय अदालत ने जन्मजात नागरिकता पर ट्रम्प के कार्यकारी आदेश पर विचार किया था,

जिसके भाग्य का फैसला अंततः अमेरिकी सुप्रीम कोर्ट द्वारा किया जा सकता है। मैरीलैंड, मैसाचुसेट्स और न्यू हैम्पशायर के न्यायाधीशों ने भी इसे रोक दिया है, और उनमें से दो मामलों में अपील पहले से ही चल रही है। 20 जनवरी को व्हाइट हाउस में अपने पहले ही दिन हस्ताक्षरित ट्रम्प के आदेश में अमेरिकी एजेंसियों को निर्देश दिया गया कि वे बुधवार के बाद संयुक्त राज्य अमेरिका में पैदा हुए बच्चों की नागरिकता को मान्यता देने से इनकार कर दें, अगर उनके माता या पिता अमेरिकी नागरिक या वैध स्थायी निवासी नहीं हैं। ट्रम्प के अमेरिकी न्याय विभाग ने 9वें सर्किट को गुरुवार तक सिएटल स्थित अमेरिकी जिला न्यायाधीश जॉन कॉघेनोर के फैसले पर रोक लगाने के लिए कहा था, जिसमें नीति को असंवैधानिक घोषित करते हुए कहा गया था कि वह चार डेमोक्रेटिक नेतृत्व वाले राज्यों के इशारे पर राष्ट्रव्यापी निषेधाज्ञा जारी करके बहुत दूर चले गए हैं। लेकिन तीन–न्यायाधीशों के पैनल ने ऐसा करने से इनकार कर दिया और इसके बजाय मामले को जून में बहस के लिए निर्धारित कर दिया। अमेरिकी सर्किट न्यायाधीश डेनिएल फॉरेस्ट, जिन्हें ट्रम्प ने अपने पहले कार्यकाल के दौरान नियुक्त किया था, ने सहमति व्यक्त करते हुए कहा कि तेजी से फैसले से न्यायाधीशों में जनता के विश्वास को कम करने का जोखिम होगा, जिन्हें षविचारधारा या राजनीतिक प्राथमिकता से अलग अपने फैसले लेने चाहिए।

पनामा के होटल में फंसे अमेरिका से निकाले गए भारतीयों पर आया बड़ा अपडेट, दूतावास ने कहा- हम मदद कर रहे

पनामा सिटी। अमेरिका से पनामा पहुंचे सभी प्रवासी भारतीय होटल में सुरक्षित हैं। भारत अमेरिका से निकाले गए भारतीयों की मदद के लिए पनामा के अधिकारियों के साथ मिलकर काम कर रहा है। पनामा में भारतीय दूतावास ने कहा कि सभी प्रवासी होटल में सुरक्षित और संरक्षित हैं। साथ ही दूतावास की टीम भारतीयों को कांसुलर पहुंच मुहैया करा रही है। पनामा में भारतीय दूतावास ने एक्स पर पोस्ट में लिखा कि पनामा के अधिकारियों ने हमें बताया है कि कुछ भारतीय अमेरिका से पनामा पहुंचे हैं। वे सुरक्षित हैं और एक होटल में ठहरे हैं, जहां सभी जरूरी सुविधाएं उपलब्ध हैं। दूतावास की टीम ने उनसे मिलने की अनुमति ले ली है। हम उनकी देखभाल के लिए स्थानीय सरकार के साथ मिलकर काम कर रहे हैं। पनामा में लगभग 300 लोगों को एक होटल में रोका गया है, जिन्हें अमेरिका ने निकाला है। ये लोग अलग–अलग देशों के हैं और जब तक उनकी वापसी की व्यवस्था नहीं हो जाती, तब तक उन्हें होटल से बाहर जाने की अनुमति नहीं है। अधिकारियों के अनुसार, 40ः से ज्यादा प्रवासी अपने देश लौटने के लिए तैयार नहीं हैं। होटल में बंद प्रवासियों ने खिड़कियों पर संदेश लिखे हैं, जिनमें लिखा है – मदद करें और हम अपने देश में सुरक्षित नहीं हैं। पनामा के उप विदेश मंत्री रुइज हर्नांडेज ने कहा कि 97 लोगों को एक शिविर में ले जाया गया। वे बंदी नहीं हैं। यह एक प्रवासी शिविर है। जहां उनकी देखभाल की जाएगी।

इन 10 एशियाई देशों के हैं 300 प्रवासी

जानकारी के मुताबिक, सभी प्रवासी 10 एशियाई देशों से आए हैं, जिसमें ईरान, भारत, नेपाल, श्रीलंका, पाकिस्तान, अफगानिस्तान और चीन के लोग शामिल हैं। अमेरिका के लिए इन देशों में सीधा निर्वासन करना मुश्किल है, इसलिए पनामा को एक ठहराव के रूप में इस्तेमाल किया जा रहा है।

प्रवासियों को दी जा रही बुनियादी सुविधाएं

पनामा के सुरक्षा मंत्री फ्रैंक एब्रेगो ने दावा किया है कि, सभी प्रवासियों चिकित्सा सुविधा और खाना मिल रहा है। यह पूरी व्यवस्था अमेरिका और पनामा के बीच हुए एक समझौते के तहत हो रही है। अमेरिका इस पूरे ऑपरेशन का खर्च उठा रहा है। वहीं पनामा के राष्ट्रपति जोसे राउल मुलिनो, जो ट्रंप की पनामा नहर पर नियंत्रण को लेकर दी गई धमकियों के कारण राजनीतिक दबाव में हैं, ने पिछले गुरुवार को पहली डिपोर्टेशन फ्लाइट के आने की घोषणा की थी।

अपने देशों को लौटने के लिए तैयार प्रवासी

रिपोर्ट के मुताबिक, अब तक 300 लोगों में से 171 प्रवासी अंतरराष्ट्रीय संगठनों की मदद से अपने–अपने देशों को लौटने के लिए तैयार हो गए हैं। संयुक्त राष्ट्र शरणार्थी एजेंसी (यूएनएचआरसी) और अंतरराष्ट्रीय प्रवासन संगठन (आईओएम) बाकी 128 लोगों के लिए विकल्प की तलाश कर रहे हैं, ताकि वे किसी तीसरे देश में बस सकें। वहीं जो प्रवासी अपने देश वापस जाने के लिए तैयार नहीं हैं, उन्हें पनामा के दारिएन प्रांत के एक विशेष केंद्र में रखा जाएगा।

खत्म हो जाएगा यूक्रेन....पुतिन के लिए अब जेलेंस्की को ट्रंप ने खूब सुना दिया

अमेरिकी राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रम्प और यूक्रेन के राष्ट्रपति जेलेंस्की के बीच जुबानी जंग शुरू हो गई है।अमेरिकी राष्ट्र डोनाल्ड ट्रंप ने यूक्रेन युद्ध के मुद्दे पर यूक्रेन के राष्ट्रपति वोल्दोमीर जेलेंस्की पर तीखा हमला बोला है। ट्रम्प ने कहा कि एक ऐसा युद्ध जी कभी शुरू ही नहीं होना चाहिए भा। एक ऐसा युद्ध जिसे जीता नहीं जा सकता था, उसे कॉमेडियन जेलेंस्की ने शुरू किया। इस जंग में उन्होंने अमेरिका के 30.42 लाख करोड़ खर्च कर दिए। ट्रंप ने कहा कि यह वही युद्ध है जिसे जेलेंस्की अमेरिका और ट्रंप को मदद के बिना कभी खत्म नहीं कर पाएंगे। इसके बोलते हुए कहा कि वो बिना चुनाव हुए तो वे औंधे मुंह गिर जाएंगे। करने की कोशिशों में जुटा है। जो कर पाए। इस दौरान अमेरिकी जल्दी कदम उठाना चाहिए, वरना यह बयान जेलेंस्की की प्रेस वार्ता को झूठा करार दिया था। जेलेंस्की पुतिन के दुश्चक्र के भंवर में फंस बोल रहे हैं। यूक्रेन युद्ध को लेकर कर रहे हैं। वे सच्ची जानकारी

साथ ही ट्रम्प ने जेलेंस्की पर हमला के एक तानाशाह है। आज चुनाव ट्रंप साथ बात कर युद्ध समाप्त बाइडेन अपने कार्यकाल में नही राष्ट्रपति ने कहा कि जेलेंस्की को यूक्रेन खत्म हो जाएगा। ट्रम्प का के बाद आया, जिसमे उन्होंने ट्रम्प ने कहा कि दुर्भाग्य से ट्रंप राष्ट्रपति चुके हैं। वे पुतिन के कहने पर झूठ ट्रम्प कई भ्रामक सूचनाओं पर भरोसा रखें। उन्होंने कहा कि अमेरिका ने हमें अब तक 5.32 लाख करोड़ के हथियार और 2.74 लाख करोड़ की आर्थिक सहायता दी है। उन्होंने एक बार फिर दोहराया कि शांति वार्ता में शामिल हुए बिना किसी भी समझौते को स्वीकार नहीं करेंगे। इस बीच जेलेंस्की ने सऊदी का प्रस्तावित दौरा भी रद्द कर दिया। यूक्रेन के राष्ट्रपति वोलोदिमीर जेलेंस्की के एक सलाहकार ने दावा किया कि अमेरिका ने अपनी स्थिति कमजोर कर ली है और यूक्रेन पर किसी भी संभावित शांति वार्ता से पहले रूस को कूटनीतिक नेतृत्व सौंप दिया है। जेलेंस्की के सलाहकार मिखाइलो पोडोल्यक ने सऊदी अरब में अमेरिका और रूस के शीर्ष राजनयिकों के बीच हुई बैठक के बाद यह दावा किया।

अदालत में पेश हुए दक्षिण कोरिया के राष्ट्रपति यून, मार्शल लॉ लागू करने के फैसले का किया बचाव

सियोल। महाभियोग झेल रहे दक्षिण कोरिया के राष्ट्रपति यून सुक योल गुरुवार को दो अदालतों में पेश हुए। यून सुक योल के खिलाफ देश में आपातकाल लागू करने के मामले में सुनवाई चल रही है। साथ ही यून सुक योल ने उनके खिलाफ चल रही महाभियोग कार्रवाई को भी चुनौती दी है। एक मामला आपराधिक

है और दूसरा महाभियोग से जुड़ा है। दोनों मामलों की सुनवाई अलग–अलग अदालत में चल रही है। गुरुवार को कड़ी सुरक्षा के बीच यून सुक योल को सियोल सेंट्रल डिस्ट्रिक्ट कोर्ट में पेश किया गया।

बीते साल दिसंबर में मार्शल लॉ लगाया था यून सुक योल ने

बीते साल दिसंबर में दक्षिण कोरिया के राष्ट्रपति यून सुक योल ने देश में मार्शल लॉ लागू करने का एलान किया था। हालांकि जनता और विपक्ष के भारी विरोध के बाद कुछ घंटे बाद ही सरकार को अपना फैसला वापस लेना पड़ा था। राष्ट्रपति यून सुक योल ने दावा किया कि देश को उत्तर कोरिया और देश विरोधी ताकतों से खतरा है। हालांकि विपक्ष और जनता ने इस दावे को सिरे से खारिज कर दिया। मार्शल लॉ लगाने के कुछ घंटे बाद ही हजारों लोग दक्षिण कोरियाई संसद के सामने इकट्ठा हो गए और मार्शल लॉ को लागू करने के फैसले को निरस्त करने की मांग की। भारी दबाव के बाद राष्ट्रपति को अपना फैसला वापस लेना पड़ा।

बीते महीने यून सुक योल को गिरफ्तार किया गया

यून सुक योल की अपनी पार्टी और विपक्षी पार्टियों ने भी यून सुक योल के फैसले को गलत बताया। मार्शल लॉ में देश का शासन सेना के हाथ में आ जाता है। यून के साथ ही दक्षिण कोरिया की खुफिया एजेंसी की पूर्व उप–निदेशक होंग जोंग वोन को भी अदालत में पेश किया गया। देश में मार्शल लॉ लगाने और उसे वापस लेने के फैसले के बाद 14 दिसंबर को दक्षिण कोरिया की संसद में राष्ट्रपति के खिलाफ महाभियोग की कार्रवाई शुरू की गई। योल को बीते महीने गिरफ्तार किया गया था।

अमेरिका में ठंड का कहर, तूफान के चलते कई इलाकों में भारी बर्फबारी

वॉशिंगटन, एजेंसी। अमेरिका के कई इलाकों में ठंड का कहर जारी है। बुधवार को उत्तरी कैरोलिना और वर्जीनिया के कुछ हिस्सों में तूफान आया, जिसकी वजह से भारी बर्फबारी हुई। बर्फबारी के चलते सड़कों पर सैकड़ों दुर्घटनाएं रिपोर्ट हुईं। फिलहाल अधिकारियों ने हालात को देखते हुए लोगों को घरों के भीतर ही रहने की सलाह दी है। अमेरिका के टेनेसी और ओहायो में पहले से ही ठंड का कहर जारी है। गौरतलब है कि टेनेसी और ओहायो पहले ही बाढ़ की समस्या से जूझ रहे हैं, अब ठंड ने लोगों की परेशानी को कई गुना बढ़ा दिया है।

प्रतापगढ़ ब्यूरो
शरद कुमार श्रीवास्तव
7/31, अचलपुर, प्रतापगढ़

संस्थापक
स्व.कन्हैया लाल
स्व.श्रीमती साधना
सम्पादक
उमेश चंद्र श्रीवास्तव
प्रबन्ध सम्पादक
अरविन्द पाण्डेय
संयुक्त सम्पादक
अनंत श्रीवास्तव
संयुक्त सम्पादक (तकनीकी)
केशव श्रीवास्तव
विधि सलाहकार
कल्पना श्रीवास्तव

शहर समता
स्वामी/प्रकाशक/मुद्रक/सम्पादक उमेश चन्द्र श्रीवास्तव द्वारा कम्पीटेन्ट बिजनेस सर्विसेज, विष्णु पदम कुटीर 115डी/2ई लूकरगंज, इलाहाबाद से मुद्रित कराकर 289/238ए,कर्नलगंज इलाहाबाद से प्रकाशित
सम्पादक
उमेश चन्द्र श्रीवास्तव
मो.नं.9005239332
आर.एन.आई.नं.
यूपीएचआईएन/2004/22466
Email : shaharsamta@gmail.com
इस अंक में प्रकाशित समस्त समाचारों के चयन एवं सम्पादन हेतु पी.आर.बी. एक्ट के अन्तर्गत उत्तरदायी तथा इनसे उत्पन्न समस्त विवाद इलाहाबाद न्यायालय के अधीन ही होंगे।